केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

लक्ष्य ऐसा हो जो विचारों को दिशा दे और आपकी आशाओं को प्रेरित करें।

वर्ष : 16 अंक : 267 | उज्जैन, मंगलवार 10 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

स्वस्थ नारी ही सशक्त समाज की आधारशिला- मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में माताओं-बहनों के स्वास्थ्य की चिंता करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सर्वाइकल कैंसर बेटियों की जिंदगी में सबसे कठिन समय होता है। मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर एचवीपी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई है। इसमें 14 वर्ष से अधिक आयु की बेटियों को 4 हजार रुपए मूल्य का यह टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। वैक्सीन का एक टीका गर्भाशय एवं ग्रीवा कैंसर के प्रति भविष्य में बेटियों को जीवनभर की सुरक्षा की गारंटी देगा और उन्हें गंभीर रोग से बचाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में महिलाओं के लिए आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आहवान किया कि बहनें और बेटियां सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण का लाभ लेकर टीका अवश्य लगवा लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीका लगवा चुकी बेटियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। साथ ही जबलपुर में 37 करोड़ रूपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों से लेकर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों तक निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। लाड़ली बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार योजना की राशि को निरंतर बढ़ा रही है। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को अब 1500 रुपए की राशि हर माह उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। राज्य सरकार ने बहनों को रोजगारपरक उद्योगों में काम करने पर 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि अलग से देने का निर्णय लिया है। प्रदेश में लैंगिग असमानता को खत्म करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। स्थानीय निकायों के चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। लोकसभा और विधानसभा में भी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। बेटियां सेना से लेकर हर क्षेत्र में आगे बढ़कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अशोकनगर जिले में करीला धाम पहुंचकर माता जानकी और उनके पुत्र लव-कुश का आशीर्वाद प्राप्त किया और सभी प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री ने जबलपुर को दी 37 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में 10.51 करोड़ लागत से आधुनिक जनपद भवन का भूमि-पूजन और 27.16 करोड़ लागत से नवनिर्मित गीता भवन सहित 3 अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 21 स्वास्थ्य एवं उप स्वास्थ्य केंद्र और सोलर ट्रैफिक सिस्टम शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कार धानी जबलपुर की छटा देश में सबसे अलग है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को आगामी नवरात्रि पर्व एवं गुड़ी पड़वा की मंगलकामनाएं दीं।

नेत्र दिव्यांग बालिकाओं का किया सम्मान- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एचपीवी टीकाकरण पूर्ण कर चुकी बालिकाओं जिया सेन और अंशी विश्वकर्मा को प्रतीकात्मक रूप से प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने नेत्रहीन कन्या विद्यालय जबलपुर की बालिकाओं से भेंट कर उनका सम्मान भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लखपति दीदी आरती चौधरी और सीता गोंड को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

पूर्व मंत्री श्री अजय बिश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश का नेतृत्व करते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं शुरू कर रहे हैं। बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए शुरू की गई टीकाकरण की यह योजना मील का पत्थर सिद्ध होगी। देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने में माताओं-बहनों का पूर्ण सहयोग सरकार को मिल रहा है। प्रदेश की आंगनवाड़ी एवं हेल्थ वर्कर्स की सहायता से विभिन्न प्रकार के कैंसर की पहचान करने के लिए आमजन को जागरुक किया जा सकता है। कार्यक्रम में विधायक श्री संतोष बरकड़े सहित जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता, लाड़ली बहनें एवं बड़ी संख्या में बेटियां उपस्थित थीं।

न्यूज ब्रीफ

भारत की सुपरसोनिक ताकत, फिलीपींस के बाद अब इंडोनेशिया खरीदने जा रहा ब्रह्मोस

नई दिल्ली/ जीएनएस। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल एक बार फिर सुर्खियों में है और फिलीपीन्स के बाद इंडोनेशिया भी अपने सशस्त्र बलों के लिए यह मिसाइल प्रणाली खरीदने जा रहा है। इंडोनेशिया की मीडिया रिपोर्टों में वहां के रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि उसने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की खरीद को अंतिम रूप दे दिया है। लंबे समय से चली आ रही बातचीत के बाद इस सौदे को अंतिम रूप दिया गया है। हालांकि अभी इस बारे में कोई औपचारिक अनुबंध नहीं हुआ है। रिपोर्टों में सौदे की कीमत के बारे में भी खुलासा नहीं किया गया है। इससे पहले ब्रह्ममोस की ओर से कहा गया था कि इंडोनेशिया ने इस मिसाइल में गंभीर रूचि दिखाई है और उसके साथ मिसाइल की खरीद के बारे में सौदे को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। गौरतलब है कि ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादी ठिकानों और पाकिस्तान के किराना हिल्स के पास स्थित भूमिगत ठिकानों सहित पाकिस्तानी वायु सेना के अनेक एयर बेस को भारी नुकसान पहुंचाया था। ब्रह्मोस भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की एक प्रमुख रक्षा और एयरोस्पेस अनुसंधान एवं विकास संस्था एनपीओ माशिनोस्त्रोयेनिया द्वारा विकसित दुनिया की सबसे तेज और उन्नत सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इस मिसाइल को लखनऊ स्थित ब्रहमोस के केन्द्र में बनाया जा रहा है। यह दुनिया की सबसे तेज और उन्नत सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में है जो ध्वनि की गति से 3 गुना तेज गति से मार करने में सक्षम है। इसे सतह, हवा, जहाज या पनडुब्बी से दागा जा सकता है। यह मिसाइल 290-800 किमी रेंज के साथ फायर एंड फॉरगेट तकनीक पर काम करती है।

यह दो सांसद नहीं लेते नहीं सैलरी, भत्ता और सरकारी सुविधाओं से भी इनकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। जब भाजपा और कांग्रेस सांसदों की बात होती है उनके बीच मतभेद और गतिरोध की खबरें ही आम होती हैं। खासतौर पर संसद भवन के अंदर दोनों दलों के बीच अक्सर ही विभिन्न मुद्दों पर भिड़ंत होती रहती है। लेकिन आज हम आपको इन दो दलों के सांसदों की ऐसी खबर बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप भी खुश हो जाएंगे। लोकसभा के दो सांसद ऐसे हैं, जो सैलरी ही नहीं लेते। इनमें से एक भाजपा और दूसरे कांग्रेस से हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक यह दोनों सांसद हैं नवीन जिंदल और डॉ. बिमोल अकॉइजम अंगोमच। नवीन जिंदल हरियाणा के कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद हैं। वहीं, अंगोमचा इनर मणिपुर से कांग्रेस के टिकट पर सांसद हैं। दोनों सांसदों के बारे में यह जानकारी आरटीआई से मिली है। भले ही नवीन जिंदल और अंगोमचा के संसदीय क्षेत्र में 2,575 किलोमीटर की दूरी है, लेकिन दोनों की पहल अपने आप में खास है। इंडिया टुडे के मुताबिक लोकसभा सचिवालय से आरटीआई के जवाब के अनुसार, डॉ. बिमोल अकॉइरजम अंगोमचा, और नवीन जिंदल ने अपने आधिकारिक भत्तों या सुविधाओं का लाभ लेने से भी मना कर दिया है। इनके चुनावी हलफनामों के अनुसार, दोनों सांसदों का फाइनेंशियल बैकग्राउंड बिल्कुल अलग है। कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने 1,241 करोड़ रुपए के संपत्ति की घोषणा की है। जबकि इनर मणिपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. बिमोल अकॉइजम अंगोमच ने लगभग 97 लाख रुपए की संपत्ति की घोषणा की है। जिंदल 18वीं लोकसभा के सबसे धनी सदस्यों में भी शामिल हैं। फिर भी, वह सबसे अमीर नहीं हैं। यह गौरव चंद्र शेखर पेम्मासानी को मिलता है, जो गुन्टर के तेलुगु देशम सांसद हैं और जिन्होंने 5,705 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति की घोषणा की है।

कोयला-लिग्नाइट परियोजनाओं पर चल रहा काम, केंद्रीय मंत्री श्रीपाद नाइक ने राज्यसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि देश में कोयला और लिग्नाइट आधारित बिजली उत्पादन क्षमता की 24,000 मेगावाट से अधिक की परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

केंद्रीय मंत्री श्रीपाद नाइक ने राज्यसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में कहा कि कुल 39,545 मेगावाट की तापीय क्षमता की परियोजनाएं वर्तमान में निर्माण के विभिन्न चरणों में है। 22,920 मेगावाट के अनुबंध दिए जा चुके हैं और निर्माण के लिए तैयार हैं, जबकि देश में 24,020 मेगावाट की कोयला और लिग्नाइट आधारित क्षमता की अन्य परियोजनाएं विभिन्न चरणों में है।

वर्ष 2034-35 तक की अनुमानित थर्मल (कोयला और लिग्नाइट) क्षमता की आवश्यकता लगभग 3,07,000 मेगावाट होने का अनुमान है, जबकि 31 मार्च 2023 तक स्थापित क्षमता 2,11,855 मेगावाट है।

इसके लिए विद्युत मंत्रालय ने कम से कम 97,000 मेगावाट की अतिरिक्त कोयला और लिग्नाइट आधारित तापीय क्षमता स्थापित करने की योजना बनाई है। बिजली की लागत के बारे में मंत्री ने कहा कि कोयला आधारित संयंत्रों से उत्पन्न बिजली की कीमत कोयला खदानों से संयंत्र की दूरी समेत विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है। पिछले तीन वर्षों में मौजूदा कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से उत्पादित बिजली की अखिल भारतीय औसत बिक्री दर 4.36 रुपये/किलोवाट घंटा से लेकर 4.58 रुपये/किलोवाट घंटा तक रही है, जिसमें सबसे कम टैरिफ लगभग 1.52 रुपये/किलोवाट घंटा है।

टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) के माध्यम से चयनित नए कोयला आधारित तापीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए निर्धारित टैरिफ 5.38-6.30 रुपये प्रति किलोवाट घंटा के बीच है।

पानी अब सिर से ऊपर हो रहा, ऐसे जीने से क्या फायदा; अबू आजमी किस बात पर भड़के

नई दिल्ली/ जीएनएस। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने पुणे में मुस्लिम युवक को गोबर खिलाने की घटना पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि कोई आदमी गाड़ी लेकर आ रहा है, उसमें जानवर हैं। यह कानूनी हो या गैर-कानूनी, बजरंग दल के लोगों को रोककर चेक करने का अधिकार किसने दिया है? आजमी ने कहा, इस मामले में जिन लोगों ने गाड़ी पकड़ी उनके खिलाफ पहले भी केस हो चुका है। लेकिन, उनका मन बढ़ा हुआ है। कुछ हो ही नहीं रहा है। उन लोगों ने उन्हें पकड़कर मारा और गोबर खिलाया।

अबू आजमी ने कहा कि अल्लाह और कुरान को गाली दी गई, क्या इस मुल्क में रहकर हम लोग इसे बर्दाश्त कर लें। ऐसे जीने से फायदा क्या है? उन्होंने कहा, अगर हमारे सामने हमारे मजहब को बार-बार गाली दी जाए। मैं समझता हूं कि पानी अब सिर से ऊपर हो रहा है। सरकार को इसे रोकना चाहिए। पुलिस तो स्नढ्ढक्र भी दर्ज नहीं कर रही थी।

महाराष्ट्रः कनाडा में नौकरी दिलाने के दिखाए सपने और ठग लिए 3.68 लाख; पुलिस ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली/ जीएनएस। जलगांव के एक 37 साल के आदमी ने बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत की है कि मुंबई की एक विदेशी प्लेसमेंट एजेंसी ने कनाडा में फार्मासिस्ट असिस्टेंट की नौकरी का वादा करके उससे 3.68 लाख रुपये ठग लिया।

जलगांव में मेडिकल फील्ड में काम करने वाले शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा कि वह 2022 में विदेश में नौकरी ढूंढते समय एक ट्रैवल एजेंट रेयान अब्दुल नबी जहांगीरदार के संपर्क में आया।

एजेंट ने कथित तौर पर उसे एरिस ओवरसीज कंपनी के अधिकारियों से मिलाया, जिन्होंने उसे सस्केचेवान इमिग्रेशन नॉमिनी प्रोग्राम के तहत रेजिना, सस्केचेवान, कनाडा में फार्मेसी असिस्टेंट की नौकरी दिलाने का वादा किया था।

शिकायत के अनुसार, उसने सबसे पहले मई 2023 में प्रोसेसिंग के लिए 40,000 कैश दिए। बाद में उसने कंपनी के अधिकारियों को 1.60 लाख + 1.50 लाख रुपये ट्रांसफर किए। उसने बायोमेट्रिक्स और वीजा प्रोसेसिंग के लिए 18,585 रुपये भी दिए।

जॉब ऑफर में ये वादा किया गया था कि हर हफ्ते 40 घंटे की काम के लिए 23.30 डॉलर प्रति घंटा के हिसाब से सैलरी मिलेगी। वहीं, 2 साल का कॉन्ट्रैक्ट, रहने की जगह और ट्रेनिंग दी जाएगी।

कनाडा भेजा गया लेकिन कोई जॉब नहीं- शिकायतकर्ता को आखिरकार वीजा मिल गया और उसे बताया गया कि उसे कनाडा भेजा जाएगा। हालांकि, उसे अपनी फ्लाइट टिकट खुद खरीदने के लिए कहा गया, रेजिना के बजाय, उसे टोरंटो जाने के लिए कहा गया और वह 11 अक्टूबर 2024 को टोरंटो पहुंचा लेकिन उसे लेने के लिए कंपनी का कोई एजेंट नहीं आया।

मुझे भी बुरा लगा, राज्यसभा से पवन सिंह का टिकट कटने पर बोले खेसारी लाल यादव

पटना/ जीएनएस। भोजपुरी स्टार और छपरा से विधानसभा चुनाव लड़ चुके खेसारी लाल यादव आज पटना पहुंचे। इस दौरान मीडिया ने उनसे पवन सिंह को राज्यसभा न भेजे जाने का सवाल किया।

पवन सिंह को राज्यसभा नहीं भेजे जाने के सवाल पर खेसारी लाल यादव ने कहा कि उनको न भेजने पर मुझे भी दुख है, लेकिन यह उनकी पार्टी का मामला है।

उस लायक नहीं समझ रहे- उन्होंने आगे कहा कि पवन सिंह को उनके पार्टी के लोग अभी शायद उस लायक नहीं समझ रहे हैं। खेसारी लाल ने आगे कहा कि उनके लिए बुरा तो मुझको भी लग रहा है कि एक आदमी 17-18 साल से पार्टी की सेवा कर रहा है, उसके बावजूद भी उनको पद नहीं मिल रहा है।

खेसारी लाल यादव ने कहा कि ये तो उनको सोचना है। अंदर की बात क्या है इसकी जानकारी मुझे नहीं है, लेकिन बुरा जरूर लगता है कि वह निःस्वार्थ होकर मेहनत करते हैं।

मैं कलाकार ही सही- वहीं, सुनील पांडेय द्वारा चुनाव लड़ने का ऑफर दिए जाने के सवाल पर खेसारी लाल यादव ने कहा कि यह उनका प्यार है, वो मेरे बड़े भाई हैं लेकिन सच पूछिए तो मैं कलाकार ही सही हूं, मुझे नहीं लगता है कि मुझे राजनीति में आना चाहिए।

वहीं, टीम इंडिया द्वारा टी20 वर्ल्डकप जीतने पर उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी और कहा हमारे ईशान किशन ने बढ़िया खेला और पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया।

नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, ईरान संकट पर और क्या बोले जयशंकर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा जरूरतों की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ईरान पर अमेरिका व इजरायल की तरफ से जारी हमले और इस युद्ध के लंबा खिंचने की आशंकाओं के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बयान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत शांति और कूटनीति के पक्ष में है और तनाव कम करने के लिए संवाद को ही समाधान मानता है। विदेश मंत्री ने बताया कि सरकार की नीति तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है। पहला, क्षेत्र में शांति और तनाव कम करने के लिए संवाद व कूटनीति को बढ़ावा देना। दूसरा, पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना और तीसरा, भारत के राष्ट्रीय हितों, विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रवाह की रक्षा करना। विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में 28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ संघर्ष अब व्यापक रूप ले चुका है, जिसमें इजरायल और अमेरिका एक तरफ जबकि ईरान दूसरी ओर आमने-सामने हैं। इसके अलावा कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं, जिससे भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सरकार ने शुरुआत से ही सभी पक्षों से संयम बरतने और संघर्ष को बढ़ने से रोकने की अपील की है।

जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं जबकि ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद हैं। इस स्थिति को देखते हुए भारत सरकार लगातार हालात पर नजर रखे हुए है।

पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 1 मार्च को सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी, जिसमें भारतीयों की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा की गई।

समय समय पर तीन एडवायजरी हुई जारी- उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है और सरकार तेल-गैस आपूर्ति, कीमतों और जोखिमों पर लगातार नजर रखे हुए है। सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रहें और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने बताया कि सरकार ने पहले ही ईरान जाने से बचने की सलाह जारी की थी और वहां मौजूद भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर जाने या देश छोड़ने के लिए कहा था।

एजुकेशन सिस्टम को निरंतर आधुनिक बनाना जरूरी, पीएम मोदी ने बताए सरकार के संकल्प

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय बजट की घोषणाओं पर अमल के लिए विभिन्न क्षेत्रों उद्यमियों व समुदायों के साथ बजट वेबिनार में श्रृंखलाबद्ध रूप से चर्चा कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति को मूलभूत क्षेत्र बताए हुए इनके विविध आयामों व संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

वेबिनार के विषय जनआकांक्षाओं की अर्थव्यवस्था को निर्देशांक करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल चर्चा का विषय नहीं है। यह सरकार का संकल्प है और इस बजट का मूल ध्येय है। पीएम मोदी ने वेबिनार के व्यावहारिक पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि हमें शिक्षा व्यवस्था को वास्तविक अर्थव्यवस्था (रीयल वर्ल्ड इकोनॉमी) से जोड़ने की प्रक्रिया तेज करनी होगी। कई देशों में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसके अलावा आज वर्तमान में दुनिया के कई देशों में केयरगिवर्स की भारी मांग है, इसलिए अब स्वास्थ्य क्षेत्र में लाखों युवाओं के लिए नए कौशल आधारित रोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ नए ट्रेनिंग मॉडल और पार्टनरशिप विकसित करने पर सुझाव दें, ताकि देश में ट्रेनिंग इकोसिस्टम और ज्यादा मजबूत हो सके।

केयरगिवर्स की भारी मांग

प्रधानमंत्री ने वेबिनार में कहा कि पिछले कुछ दशकों में देश का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हुआ है। सैकड़ों जिलों में नए-नए मेडिकल कॉलेज खुल गए हैं। आयुष्मान भारत योजना, आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच गांव-गांव तक बढ़ाई गई है। केयर इकोनामी को महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि आने वाले दशक में देश

जागरुकता और सहजता बढ़ाए जाने की जरूरत- टेली-मेडिसिन को भी इससे जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में दूरदराज क्षेत्र के लोग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। इस पर विश्वास बढ़ रहा है। इसमें अब भी जागरुकता और सहजता बढ़ाए जाने की बहुत जरूरत है।

रानीपुरा में अहिरवार जाटव समाज का भव्य फाग उत्सव, कलाकारों की प्रस्तुतियों से सजा ब्रज की होली जैसा माहौल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के रानीपुरा क्षेत्र में अहिरवार जाटव समाज द्वारा फाग उत्सव बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। स्वर्गीय छोगालाल उस्ताद की स्मृति में आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम में कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को ब्रज की होली की तरह रंगीन बना दिया। सूखे रंगों की फुहार और राई फाग की परंपरागत प्रस्तुतियों के बीच दर्शक देर रात तक झूमते नजर आए और पूरा प्रांगण उत्साह और उमंग से सराबोर हो गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन अहिरवार जाटव समाज बाईसी समिति द्वारा किया गया, जिसमें देश-विदेश से आए कलाकारों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। मंच पर कलाकार जितेन्द्र जसोदिया और अंतरराष्ट्रीय कलाकार वीरू नागोरी की प्रस्तुतियों के दौरान पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और दर्शक भी गीत-संगीत की धुन पर झूमते दिखाई दिए।

कार्यक्रम के दौरान लालबाग मार्निंग ग्रुप और श्री सूर्यवंशी अहिरवार समाज के सदस्यों ने बाईसी समिति के अध्यक्ष पृथ्वीराज पिपले उस्ताद का सम्मान किया। साथ ही अनिल पिपले उस्ताद और राज पिपले उस्ताद का भी स्वागत-अभिनंदन कर सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई।

इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला और भाजपा नेता सूरज कैरो भी कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने उस्ताद पृथ्वीराज पिपले को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और इस सांस्कृतिक आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी और वरिष्ठ पत्रकार गजानंद सुनहरे एडवोकेट ने कहा कि यह फाग उत्सव समाज की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है और नई पीढ़ी को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे और सभी ने रंगारंग प्रस्तुतियों का आनंद लिया। रानीपुरा में आयोजित इस फाग उत्सव ने न केवल सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत किया बल्कि लोगों को एकजुट होकर त्योहार मनाने का संदेश भी दिया।

कार्यकर्ता अतिथि देवों भवः के अनुरूप अतिथियों का स्वागत करे - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग की इंदौर के गुजराती इनोवेटिव कॉलेज में आयोजित क्षेत्रीय वक्ता कार्यशाला के सफल संचालन हेतु आज मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसीराम सिलावट, प्रशिक्षण वर्ग प्रदेश संयोजक विजय दुबे, सहप्रभारी राजेंद्र सिंह, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, आनंद स्वरुप काशीव, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा की उपस्थिति में समिति सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर की पूरे देश में प्रतिष्ठा है, इंदौर को अनुशासन, स्वच्छता और स्वाद की नगरी तो कहा ही जाता है लेकिन अतिथि सत्कार के लिए भी पूरे देश में जाना जाता है। प्रशिक्षण वर्ग हमारी पार्टी की परंपरा है, पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है, इंदौर के संस्कारों के अनुरूप वर्ग के में आने वाले अतिथियों का सत्कार करे। जिस कार्यकर्ता को जिस समिति में जिम्मेदारी मिली है, वह पूरी ईमानदारी के साथ उस जिम्मेदारी का निर्वाहन करे। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि हम इंदौर के कार्यकर्ता है इंदौर संगठन की प्रशंसा पूरे प्रदेश में होती है। हमें जो भी लक्ष्य दिया जाता है, उसे कार्यकर्ता प्रण प्राण से पूरा करने में जुट जाते हैं। हमारा सौभाग्य है कि प्रशिक्षण वर्ग इंदौर में हो रहा है। इंदौर की पहचान उसकी मेहमाननवाजी है, कार्यकर्ता अपने दायित्वों के अनुरूप कार्य को पूर्णता प्रदान करे। बैठक में वरिष्ठ नेता पंकज संघवी, अंजू माखीजा, प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, अनंत पंवार, अशोक अधिकारी, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव, सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पिपले सहित समिति सदस्य उपस्थित थे।

बीएसएनएल के बकाया जमा करने पर मिलेगी 50 प्रतिशत तक की छूट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार आगामी 14 मार्च (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में बीएसएनएल द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु जिला न्यायालय इंदौर एवं तहसील महू में बकाया लैंडलाइन, ब्रॉडबैंड, एफटीटीएच सहित मोबाइल पोस्टपेड बिल संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निपटान किया जाएगा। बीएसएनएल के उपभोक्ताओं द्वारा अपने बकाया बिलों की राशि लोक अदालत में जमा करने पर उन्हें नियमानुसार 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत की आकर्षक छूट का लाभ दिया जाएगा । उपभोक्ताओं के अनुरोध पर उन्हें पुनः लीज्ड सर्किट, लैंडलाइन, ब्रॉडबैंड एवं एफटीटीएच सहित मोबाइल सेवाएं प्रदाय की जाएंगी । बीएसएनएल के उपभोक्ता अपने बिल संबंधित प्रकरणों का बीएसएनएल नेहरू पार्क स्थित कार्यालय के राजस्व अनुभाग में भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर समाधान / निपटान करवा सकते हैं।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग की क्षेत्रीय वक्ता कार्यशाला आज, शीर्ष नेतृत्व करेगा मार्गदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान के तहत आज 10 मार्च को क्षेत्रीय वक्ता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला गुजराती इनोवेटिव कॉलेज, सत्यसाई चौराहा पर आयोजित होगी, जिसमें प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे।

प्रदेश प्रभारी विजय दुबे, सहप्रभारी राजेंद्र सिंह और भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, गुजरात के संगठन महामंत्री रत्नाकरजी और मध्य पश्चिम क्षेत्र प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी के.सी. पटेल कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन देंगे।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में आठ अलग-अलग कक्षों में आठ वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जाएगा। इन सत्रों में संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा और जनसंपर्क से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। समापन सत्र में भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे, जबकि भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री शिवप्रकाश प्रशिक्षण वर्ग से जुड़े कार्यकर्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे और संगठनात्मक दिशा-निर्देश देंगे।

संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने बताया कि इस कार्यशाला में इंदौर, उज्जैन, निमाड़ और मंदसौर संभाग के साथ ही गुना और अशोक नगर जिले से अपेक्षित कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस क्षेत्रीय कार्यशाला के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा और कार्यशैली से और अधिक प्रभावी रूप से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

इंदौर में तेज रफ्तार स्कार्पियो का कहर, दो युवकों को रौंदा; एक की हो गई मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेहरी के बाद घर के बाहर खड़े दो युवकों को स्कार्पियों चालक कुचलकर फरार हो गया। एक युवक ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। लोगों ने कार चालक को पकड़ने का प्रयास किया, मगर वह चकमा देकर धार रोड की ओर भाग गया। छत्रीपुरा पुलिस ने मर्ग कायम किया है। टक्कर मारने वाली गाड़ी का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार घटना तड़के करीब चार बजे की सिलावटपुरा (गणेश मंदिर के समीप) की है। टाटपट्टी बाखल निवासी 19 वर्षीय तनवीर पुत्र सरताज मंसूरी की मौत हुई है। 22 वर्षीय फैजान पुत्र शरीफ मंसूरी गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्रत्यक्षदर्शी इमरान के अनुसार तनवीर और फैजान सेहरी के बाद घर से बाहर निकले थे। दोनों नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जाने वाले थे।

भाजपा नेताओं ने देखी संघ पर पर आधारित फिल्म शतक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ओर भारतीय जनता पार्टी इंदौर के अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा के नेतृत्व में सीने स्क्रेयर सिनेमा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रेरणादायी फिल्म शतक देखी। यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक यात्रा को दर्शाती है। फिल्म के माध्यम से संघ की स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों एवं संगठन विस्तार की गौरवगाथा प्रस्तुत की गई है। इस अवसर पर जयपाल सिंह चावड़ा ने कहा कि 'शतक' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव, संगठन शक्ति और समर्पण की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक गण एवं भाजपा कार्यकर्ता गण समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की भावना लेकर कार्य कर रहे हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने समय-सीमा के पत्रों और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की

निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई के दिये निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की अधिकारीवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, सकारात्मक और निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य, श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित सात प्रकरणों की रेंडम रूप से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने राज्य शासन द्वारा संचालित ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आगामी समय में आयोजित होने वाले ब्लॉक स्तरीय शिविरों में सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने शहर के मैरिज गार्डनों में पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मैरिज गार्डन अपने परिसर में निर्धारित 40 प्रतिशत स्थान पार्किंग के लिए आरक्षित करें। साथ ही एसडीएम को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि मैरिज गार्डनों में नियमानुसार पार्किंग की व्यवस्था है या नहीं। यदि किसी मैरिज गार्डन में पार्किंग के लिए स्थान आरक्षित नहीं पाया जाता है तो संबंधित मैरिज गार्डन के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

इंदौर में अलग-अलग रेट वाली 100 लोकेशन नई कलेक्टर गाइडलाइन में होगी मर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। इस सप्ताह जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में रखा जाएगा। पंजीयन विभाग इस बार जिले की अलग-अलग दरों वाली आसपास की 100 लोकेशन को मर्ज करने जा रहा है। इन लोकेशन पर दरों में अंतर होने से पंजीयन के दौरान खरीदारों से लेकर पंजीयन विभाग के अधिकारियों को भी परेशानी होती है। कई बार कम दरों वाली लोकेशन पर दस्तावेज पंजीकृत हो जाते हैं और बाद में आरआरसी जारी करनी पड़ती है। इससे बचने के लिए पंजीयन विभाग आसपास की कॉलोनियों की दरों को आपस में मर्ज कर औसत दरें तय करने जा रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए नई कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उप पंजीयन कार्यालयों में शासन से मिले डाटा और लोकल स्तर पर तैयार डाटा का एनालिसिस कर बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

वरिष्ठ पंजीयक अमरेश नायडू का कहना है कि जिले में इस बार तीन हजार से अधिक लोकेशन पर गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। आगामी सप्ताह में कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में होने वाली जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। यहां पर मोहर लगने के बाद दावे आपत्तियों का निराकरण कर केंद्रीय मूल्यांकन समिति को प्रस्ताव भेजा जाएगा। एक अप्रैल से जिले में गाइडलाइन की नई दरें लागू होंगी।

राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव के लिए 12 मई को होगी वोटिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य अधिवक्ता परिषद के पांच वर्ष में एक बार होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। इसके मुताबिक 12 मई को पूरे प्रदेश में एक साथ मतदान होगा। मतगणना 16 जून से शुरू होगी। कार्यकारिणी सदस्य के 25 में से सात पद इस बार महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ पांच पद के लिए ही चुनाव होगा। शेष दो पदों पर मनोनयन किया जाएगा। प्रदेशभर के लगभग 87 हजार वकील इस चुनाव में हिस्सा लेंगे। राज्य अधिवक्ता परिषद के लिए प्रारंभिक मतदाता सूची 16 मार्च को जारी कर दी जाएगी। 24 मार्च तक इस प्रारंभिक मतदाता सूची को लेकर दावे-आपत्तियां प्रस्तुत किए जा सकेंगे। एक अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी हो जाएगी। सिर्फ उन्हीं वकीलों को मतदान का अधिकार प्राप्त होगा, जिन्होंने प्रविधानों के तहत अपना सत्यापन करवा लिया है। नामांकन फार्म जमा करने के लिए प्रत्याशियों को तीन दिन मिलेंगे। 8, 9 और 10 अप्रैल को नामांकन फार्म जमा कराया जा सकेगा। 15 और 16 अप्रैल को नामांकन फार्म की जांच होगी। 20 से 22 अप्रैल शाम चार बजे तक नाम वापस लिया जा सकेगा। 22 अप्रैल को शाम पांच बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। मतदान के बाद सभी मतपेटियों को सीलबंद कर जबलपुर भेजा जाता है। वहां 16 जून से मतगणना शुरू होगी। सामान्यत- राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव की मतगणना दो माह लगभग चलती है।

संकल्प से समाधान अभियान का इंदौर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन

अभियान के अंतर्गत एक लाख 22 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संकल्प से समाधान अभियान आगामी 31 मार्च तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की 63 सेवाओं और 40 योजनाओं के तहत आवेदकों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिले में अब तक आयोजित शिविरों में एक लाख 25 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से एक लाख 22 हजार 300 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष आवेदनों की निराकरण की प्रक्रिया भी जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश सरकार सुशासन और स्वराज के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 12 जनवरी से संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस से प्रारंभ यह अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर चार चरणों में संचालित होगा। अभियान की संपूर्ण कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत चयनित योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवेदन एवं शिकायतों को प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए ग्राम पंचायत, वार्ड, क्लस्टर, विकासखंड एवं जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन हो रहा है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदनों के पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। अभियान के प्रथम चरण में ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर आवेदन एवं शिकायतों का संग्रह किया गया। शिविर अथवा घर-घर जाकर आवेदन एकत्र कर पोर्टल पर दर्ज किए गए। प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर उनका निराकरण किया गया। द्वितीय चरण 16 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर स्तर तथा शहरी क्षेत्रों में जोन स्तर पर शिविर आयोजित होंगे। तहसीलदार, सीईओ जनपद, सीएमओ एवं समकक्ष अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे।15 से 30 ग्राम पंचायतों का एक क्लस्टर निर्धारित किया गया है। क्लस्टर/जोन स्तर पर आवेदनों का निराकरण कर पोर्टल पर प्रविष्टि की जाएगी। तृतीय चरण 16 मार्च से प्रारंभ होकर 26 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के तृतीय चरण अंतर्गत विकासखंड एवं नगर स्तर पर शिविरों का आयोजन तथा क्लस्टर/जोन स्तर पर लंबित एवं नवीन आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, सीईओ जनपद एवं सीएमओ नोडल अधिकारी रहेंगे। चतुर्थ चरण 26 मार्च से प्रारंभ होकर 31 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के चतुर्थ चरण अंतर्गत जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शेष समस्त लंबित एवं नवीन आवेदनों का अंतिम निराकरण तथा प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में हितलाभ वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 की व्यापक कार्य योजना को दिया अंतिम रूप

जल संरचनाओं की सघन सफाई और प्याऊ स्थापना के साथ अमृत मित्र संभालेंगे जल संरक्षण की कमान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 में प्रदेश की जल संपदा को सहेजने और नगरीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास हेतु सुदृढ़ रणनीति तैयार की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार इस कार्य योजना का मुख्य ध्येय नगरीय निकायों में पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार करना और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इस अभियान में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शासन ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि वे नदियों, तालाबों, बावड़ियों और नालों के किनारों पर किए गए अतिक्रमण को चिह्नित कर तत्काल हटाने की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त बनाने से न केवल उनके प्राकृतिक स्वरूप को लौटाया जा सकेगा। साथ ही वर्षा जल के निर्बाध प्रवाह से भू-जल स्तर में भी आशातीत वृद्धि होगी।

अभियान में बुनियादी ढांचे और स्वच्छता कार्यों के लिए व्यापक वित्तीय प्रावधान किए गए हैं, जिसमें अमृत 2.0 से प्रदेश की 112 जल संग्रहण संरचनाओं, जिनका क्षेत्रफल लगभग 3315 एकड़ है, के जीर्णोद्धार के लिये 67 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से 100 प्रमुख नालों के शुद्धिकरण की योजना पर 664 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। विभाग ने आगामी समय में 1000 जल ग्रहण संरचनाओं के वैज्ञानिक पद्धति से संवर्धन और 5000 नाले-नालियों की सघन सफाई एवं सौंदर्यीकरण का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। नगरीय क्षेत्रों में जल संचय की आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए 5000 नई रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित की जाएंगी, जो भविष्य की जल सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विभाग ने समस्त नगरीय निकायों में रणनीतिक स्थलों जैसे प्रमुख बाजारों, बस स्टैंडों और सार्वजनिक चौराहों पर सुव्यवस्थित प्याऊ स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। इससे ग्रीष्मकाल में राहगीरों और आमजन को शुद्ध पेयजल सुलभ हो सकेगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को अभियान का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए अमृत 2.0 के तहत 116 निकायों में 300 एकड़ क्षेत्र को नवीन हरित क्षेत्रों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिस पर लगभग 29 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी। आगामी मानसून सत्र के दौरान प्रदेश भर में 1 करोड़ पौधों के रोपण की तैयारी भी की गई है।

एमआईजी थाना पुलिस की कार्रवाई, अवैध शराब बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में रंग पंचमी के अवसर पर अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना एमआईजी पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह द्वारा शहर में अवैध शराब बिक्री, नारकोटिक्स और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत पुलिस उपायुक्त कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमरेन्द्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त परदेशीपुरा हिमानी मिश्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी एमआईजी सी.बी. सिंह द्वारा एक टीम गठित की गई।

दिनांक 8 मार्च 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि अयोध्या पुरी कॉलोनी में एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर खड़ा है और उसे बेचने की फिराक में है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक शैलेन्द्र अग्रवाल, आरक्षक अमन साहू और आरक्षक राजकुमार बघेल मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संजय उर्फ संजू पिता छोटेलाल पंवार (उम्र 34 वर्ष) निवासी 51 नादिया नगर, इंदौर बताया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 105 बोल्ट बीयर कैन और विभिन्न ब्रांड की 50 शराब की बोतलें बरामद कीं। जब्त की गई शराब में ओल्ड मोंक, रॉयल चैलेंजर, ग्रीन पार्क, ओकेन, सिग्नेचर, ऑफिसर चॉइस, ब्लेंडर प्राइड, ऑल सीजन और बैगपाइपर जैसे ब्रांड शामिल हैं। कुल 90 बल्क लीटर शराब कीमती करीब 50 हजार रुपये जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सी.बी. सिंह, उपनिरीक्षक शैलेन्द्र अग्रवाल, प्रधान आरक्षक लोकेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र सिंह, आरक्षक अमन साहू और आरक्षक राजकुमार बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शीतला सप्तमी - अपरम्पार है चमत्कारिक खिड़की माताजी की लीला

वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी ने बताया माताजी के दरबार में घरौंदे बनाने से पूरी होती है घर की मन्नत, नि:संतान को मिलता है घर का चिराग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संस्कृति, धार्मिक स्थलों और गौरवमयी इतिहास की त्रिवेणी माने जाने वाले मन्दसौर में जीवनदायिनी माँ शिवना के पावन तट पर स्थित अतिप्राचीन खिड़की माताजी का मंदिर अपनी पौराणिक मान्यताओं, अद्भुत इतिहास और चमत्कारिक दर्शनों के कारण विशेष आस्था का केंद्र है। शीतला सप्तमी पर्व के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ती है। खिड़की माताजी की लीला न केवल चमत्कारिक बल्कि अपरम्पार मानी जाती है। माताजी के दरबार में लगभग चार पीढ़ियों से सेवा-पूजा कर रहे परिवार के प्रतिनिधि पंडित कैलाशजी परमार, दुर्गाशंकरजी परमार, रमेशजी परमार और सुरेशजी परमार के अनुसार खिड़की माताजी की चमत्कारी प्रतिमा लगभग 350 वर्ष पूर्व मंदिर के समीप शिवना नदी के तट पर एक बरगद के पेड़ के नीचे प्रकट हुई थी। प्राकट्य के बाद से ही माताजी के चमत्कारों और आशीर्वाद की अनेक कथाएं भक्तों के बीच प्रचलित हैं।

संकलनकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी (माहेश्वरी) के अनुसार खिड़की माताजी के दरबार में आने वाले भक्तों के कष्ट दूर होते हैं और रोगों से मुक्ति मिलती है। यहां की एक विशेष परंपरा घरौंदा बनाने की भी है। श्रद्धालु मंदिर परिसर में मिट्टी का छोटा घरौंदा बनाकर अपने घर की मन्नत मांगते हैं। ऐसी मान्यता है कि माताजी की कृपा से भक्तों की घर बनाने की इच्छा पूरी होती है। इसके अलावा निःसंतान दम्पत्तियों को भी माताजी के आशीर्वाद से संतान प्राप्ति का सुख मिलता है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु माताजी के दरबार में खीर, पुड़ी और हलवे का भोग लगाकर आभार प्रकट करते हैं।

नवरात्र में उमड़ता है श्रद्धा का सैलाब - वैसे तो खिड़की माताजी के दरबार में वर्षभर श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं, लेकिन चैत्र और शारदेय नवरात्र में यहां का महत्व और भी बढ़ जाता है। इन दिनों मंदिर परिसर में विविध धार्मिक आयोजन होते हैं और मन्दसौर सहित पूरे मालवांचल, सीमावर्ती राज्यों तथा दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। चैत्र नवरात्र में नगरपालिका और मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में लगने वाला मेला भी आकर्षण का केंद्र रहता है।

जारी है माताजी के दरबार का कायाकल्प - वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी ने बताया कि वर्षों पुराने प्राचीन धार्मिक स्थलों में शामिल श्री खिड़की माता मंदिर के कायाकल्प को लेकर करीब 17 वर्ष पूर्व श्री खिड़की माता मंदिर समिति और जनप्रतिनिधियों द्वारा पहल की गई थी, जो निरंतर जारी है। इस अवधि में धौलपुर के लाल पत्थरों से मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है और अब मंदिर लगभग पूर्ण रूप से सुसज्जित हो चुका है। 23 सितम्बर 2009 से प्रारंभ हुआ जीर्णोद्धार कार्य आज लगभग पूर्णता की ओर है। भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम ने भी मंदिर के पौराणिक महत्व और भक्तों की आस्था को देखते हुए यहां दर्शनार्थियों के लिए लगभग 30 लाख रुपये की लागत से विश्राम शेड सहित अन्य निर्माण कार्य करवाए हैं। मंदिर के विकास में जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसमें सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, पूर्व नपाध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार, नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, समाजसेवी कोमल बाफना और मोहनलाल चौधरी (चम्बल रेडियो) सहित अनेक लोगों ने विभिन्न माध्यमों से सहयोग प्रदान किया है। आज खिड़की माता मंदिर पर्यटन के मानचित्र पर एक प्रमुख दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित होता दिखाई दे रहा है और हर वर्ग के लोग इसके विकास में अपनी आहुति देने के लिए तत्पर हैं।

अब सुलभ हुआ माता के दरबार में पहुंचना - वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी ने बताया कि एक समय ऐसा भी था जब खिड़की माता मंदिर तक पहुंचना भक्तों के लिए कठिन तपस्या के समान था। पथरीले रास्तों और जंगलों से होकर गुजरना पड़ता था। लेकिन अब विकास के साथ यहां पहुंचना पूरी तरह आसान हो गया है। मंदिर समिति और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों से मंदसौर बायपास से मंदिर तक पक्का मार्ग तैयार हो चुका है और मार्ग पर लगी जगमगाती लाइटें क्षेत्र के विकास की गवाही देती हैं।

गांधीसागर पुलिस की कार्यवाही, 5.160 किलो गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी गांधीसागर निरीक्षक तरुणा भारद्वाज एवं टीम द्वारा दिनांक 8 मार्च को मुखबीर सुचना पर आरोपी वकील दायमा निवासी गुगलखेडा थाना रामपुरा जिला नीमच के कब्जे से एक काले रंग के बैग में भरा 05.160 किग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त करने में सफलता हासिल की गई है। घटना अनुसार थाना गांधीसागर को मुखबिर सूचना मिली, जिस पर दिनांक 8 मार्च को मुखबीर सुचना पर पुराने हेलीपेड के पास रावतभाटा रोड गांधीसागर से आरोपी वकील दायमा निवासी गुगलखेडा थाना रामपुरा जिला नीमच के कब्जे वाले एक काले रंग के बैग में भरा 05.160 किग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल मश्रुका कीमती 12500 रु का जप्त करने में सफलता हासिल की गई एवं आरोपी के विरुद्ध थाना गांधीसागर पर अप.क्रं.14/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस का प्रकरण पंजिबद्ध कर विवेचना जारी है।

ट्यूबवेल से पानी भरने को लेकर विवाद, सरपंच व पति से मारपीट, केस दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पहेड़ा में पंचायत के ट्यूबवेल से पानी भरने को लेकर हुए विवाद में चार लोगों द्वारा सरपंच के पति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के अनुसार ग्राम पहेड़ा निवासी सरपंच कृष्णा लौहार ने मल्हारगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि सुबह करीब 9.30 बजे वह अपने पति मुकेश के साथ खेत से काम कर वापस घर लौट रही थीं। इसी दौरान गांव के मांगलिक भवन परिसर में लगे पंचायत के ट्यूबवेल से गांव के अमृत मालवीय, उसके पुत्र कुणाल मालवीय, गौरव मालवीय और पत्नी सरिता मालवीय पाइप लगाकर अपने घर पानी भर रहे थे। सरपंच कृष्णा लौहार ने बताया कि उन्होंने अमृत मालवीय से कहा कि ट्यूबवेल के पास पंचायत के कार्य के लिए रखी सीमेंट भीग रही है और यहां जल्द ही एनएसएस का छह दिवसीय कार्यक्रम होने वाला है, जिसमें महाविद्यालय के छात्र रहेंगे। इसलिए आज पानी भर लें, लेकिन कार्यक्रम के दौरान नली लगाकर पानी नहीं भरें। इसी बात को लेकर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर कुणाल मालवीय और सरिता मालवीय ने सरपंच के साथ झूमाझटकी की, जिससे उनके कपड़े अस्त-व्यस्त हो गए। बीच-बचाव करने आए उनके पति मुकेश के साथ अमृत मालवीय ने लात-घूंसों से मारपीट की और धक्का देकर नीचे गिरा दिया। इसके बाद कुणाल और गौरव ने भी मुकेश के साथ हाथ-थप्पड़ों से मारपीट की तथा नाखूनों से चेहरे पर हमला किया। मारपीट में मुकेश के बाएं गाल, होंठ, पेट और सिर पर चोटें आई हैं। घटना के बाद सरपंच अपने पति के साथ मल्हारगढ़ थाने पहुंचीं, जहां पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल मुकेश को मेडिकल जांच के लिए सरकारी अस्पताल मल्हारगढ़ भेजा। थाना मल्हारगढ़ पुलिस ने अमृत मालवीय, कुणाल मालवीय, गौरव मालवीय और सरिता मालवीय के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनगणना अंतर्गत 3 दिन में मकान नंबरिंग का कार्य पूर्ण करें : कलेक्टर अदिती गर्ग

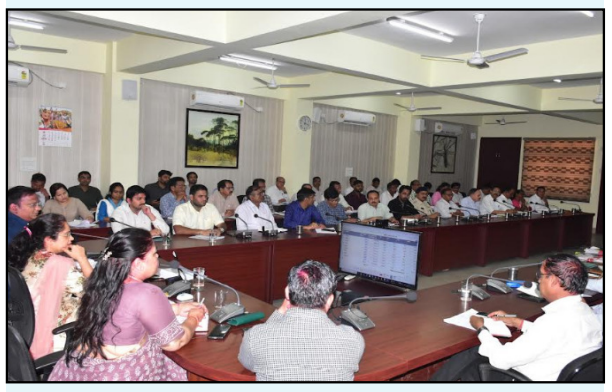

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना कार्य को लेकर प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर अदिती गर्ग ने साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी सीएमओ एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि मकानों की नंबरिंग का कार्य तीन दिवस के भीतर पूर्ण किया जाए। कलेक्टर गर्ग ने कहा कि सभी चार्ज अधिकारी प्रगणकों की नियुक्ति करते समय यह सुनिश्चित करें कि सेवानिवृत्त, स्थानांतरित एवं दिव्यांग कर्मचारियों को प्रगणक के रूप में नियुक्त न किया जाए, क्योंकि इनकी सेवाएं वर्ष 2027 तक आवश्यक रहेंगी। प्रगणक एवं सुपरवाइजर के रूप में योग्य कर्मचारियों की ही नियुक्ति की जाए। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य के लिए 50 से अधिक फील्ड ट्रेनर भी नियुक्त किए जाएंगे। साथ ही सभी चार्ज अधिकारी, प्रगणक, सुपरवाइजर एवं फील्ड ट्रेनरों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में 10 मार्च को भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की जाएगी, जिसमें जनगणना से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

हनुमान जन्मोत्सव के पूर्व दिवस 1 अप्रैल को नगर में निकलेगी श्री वीर हनुमान यात्रा, तैयारी हेतु वृहद बैठक हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 1 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव के पूर्व दिवस श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर से श्री वीर हनुमान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है इस भव्य और ऐतिहासिक यात्रा की तैयारी की तैयारी हेतु रुद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में शनिवार की शाम नगर के गणमान्यजनों की वृहद उपस्थिति में एक बड़ी बैठक आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ श्री तलाई वाले बालाजी की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन मंगलाचरण से हुआ। सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। बैठक में मंचासीन श्री तीन छतरी बालाजी मंदिर के पूज्य संत श्री राम किशोर दास जी महाराज ने कहा कि श्री वीर हनुमान यात्रा की प्रेरणा प्रभु कृपा से ही हुई है निश्चित ही यह यात्रा सभी के प्रयासों और सहयोग से भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप में निकलेगी।

आचार्य डॉ. देवेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस यात्रा में श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर की गरिमा और मर्यादा का पूरा ध्यान रखा जाएगा प्रभु श्री तलाई वाले बालाजी दूसरी बार नगर भ्रमण पर निकलेंगे पहले 108 कुंडीय महायज्ञ व स्वर्ण कलश आरोहण के समय भी यात्रा निकाली गई थी।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि भगवान श्री हनुमान जी बुराइयां और विकृतियों का हनन करते हैं और समरसता को उत्पन्न करते हैं इन्हीं भावों के साथ यह यात्रा निकाली जाए नगर के प्राचीन और पारंपरिक उत्सवों में यह एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. धीरेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि वीर हनुमान यात्रा में मंदिर ट्रस्ट का भी पूरा सहयोग रहेगा आपने अधिक से अधिक संख्या में सभी से सम्मिलित होने का आह्वान किया। मंचासीन कथा प्रवक्ता द्वय पं.दशरथ भाई शर्मा पं. विष्णु शर्मा और खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. शिवकरण प्रधान ने भी बैठक को संबोधित किया। गौरव अग्रवाल ने वीर हनुमान यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत की और नगर के समाजसेवी प्रहलाद काबरा को आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा वरिष्ठ समाज सेवी श्री गुरु चरण बग्गा ने प्रस्ताव का समर्थन किया इसी प्रकार श्री दाऊ भाई विजयवर्गीय को आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष पद के दायित्व के प्रस्ताव का समर्थन सामाजिक कार्यकर्ता डॉ रविंद्र पांडे ने किया। बैठक में उपस्थित बड़ी संख्या में उपस्थित महानुभावों ने करतल ध्वनि से श्री काबरा ओर विजयवर्गीय के पद दायित्व का अनुमोदन किया। मंच पर दोनों का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। बैठक में उपस्थित राजेश पाठक अंकुर व्यास प्रतिभा चुंडावत अजय डांगी चंदा डांगी बंशीलाल टांक, सुरेश भावसार, नरेंद्र भावसार, शिवानी घारू, रानू भावसार,प्रीति रोकले आदि महानुभावों ने श्री वीर हनुमान यात्रा के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री त्रिवेदी ने आचार्य देवेंद्र शास्त्री को मंदिर का धर्म ध्वज प्रदान किया। आरंभ में मंचासीन महानुभावों का स्वागत सर्व श्री पं दिलीप शर्मा, महेश चंद्र सोमानी, कृष्ण चंद्र चिचानी ,जगदीश चंद्र सेठिया अनिल गुप्ता, संतोष गोयल, राजेश पालीवाल, प्रकाश पालीवाल , कन्हैयालाल सोनगरा, विनोद मेहता वरदीचंद कुमावत, नरेंद्र अग्रवाल, सुनील गुप्ता, विक्रम भटनागर, क्षितिज पुरोहित, प्रकाश सिसोदिया, वासुदेव सेवानी, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, सूरज बैरागी, संजय गोठी, हेमंत शर्मा, राजेश नामदेव, चेतन जोशी, रमेश काबरा, कपिल भंडारी, राजेंद्र चाष्टा, प्रदीप भाटी पुष्पेंद्र भावसार, योगेश भट्ट, अरुण सिंह सिसोदिया मोहन रामचंदानी, पुष्पराज सिंह राणा, दिलीप सेठिया,नंदकिशोर राठौर नरेंद्र भावसार, श्रीमती निर्मला गुप्ता, किरण मावर, विद्या कुमावत, आदि ने किया। संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार लोकेश पालीवाल ने माना।

युवा प्रेस क्लब ने खुशनुमा माहौल में मनाया होली मिलन उत्सव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा प्रेस क्लब मंदसौर द्वारा होली मिलन सामारोह का आयोजन रंगपंचमी पर कर जमकर रंगों का पर्व मनाया। युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष चरण राजपाल के नेतृत्व में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में क्लब के सदस्य पत्रकारगण सम्मिलित हुए। युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष चरण राजपाल ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस इस वर्ष भी परंपरागत रूप से होली मिलन का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सभी साथियों ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली का पर्व मनाया। इस अवसर पर सभी साथियों ने जमकर होली खेली जिसके बाद सहभोज का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

शीतला सप्तमी पर महिलाओं ने किया पूजनः माता रानी को लगाया बासोड़ा का भोग, हाथ जोड़कर की अखंड सौभाग्य की कामना

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को सिंगोली नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आरोग्यता व सुख-समृद्धि देने वाली माता शीतला का पूजन कर पूर्ण श्रद्धा के साथ शीतला सप्तमी मनाई गई।

सिंगोली में सोमवार को नगर के सबसे प्राचीन स्थल शीतला माता मंदिर वार्ड 10 पर सुबह 4 बजे से ही महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया था, जिन्होंने यहां विधि-विधान पूर्वक माता रानी का पूजन किया।

शीतला माता का पूजन - सप्तमी को रोग, शोक, व्याधि दूर करने के लिए एक दिन पूर्व रविवार की रात्रि को मातारानी के भक्तों की ओर से रात्रि जागरण, भजन कीर्तन ढोल नगाड़ों से महामाया शीतला माता की आराधना की गई।

महिलाओं ने अपने घर में रविवार के दिन बासी भोजन गुड़ के ढोकले व दही चावल का ओलिया बनाकर मातारानी को कंकू, गुलाल, हल्दी, मेहंदी, अक्षत, चुनर, सिंदूर, सुहाग श्रृंगार से पूजा कर नैवेद्य का भोग लगाया व मातारानी से अपने घर में सुख समृद्धि की कामना की।

साथ ही महिलाओं ने पति की दीर्घायु व सुखी संपन्नता की कामना को लेकर पूजा अर्चना की। महिलाओं ने पूजन कर घर के बाहर हल्दी, कुमकुम के टीके स्वास्तिक बनाकर बड़े बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया।

वही कई नगर एवं गांवो में महिलाओं द्वारा मंगलवार को भी शीतला माता पुजा अर्चना कर शीतला सप्तमी मनाई जाने की संभावना देखी जा रही है

संकल्प से समाधान अभियान के तहत मनासा में विशेष शिविर सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा में जिला प्रशासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की पहल की हैं। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं और महिलाओं को निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा रहे हैं, साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए निःशुल्क हेलमेट भी प्रदान किए जा रहे हैं।

इस अभियान के तहत मनासा में अब तक 60 महिलाओं ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए निःशुल्क पंजीयन कराया है। सोमवार को शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय में आयोजित विशेष शिविर में विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अंकिता पंड्या ने ड्राइविंग लाइसेंस की प्रति और हेलमेट वितरित किए गए। लाइसेंस और हेलमेट प्राप्त कर बालिकाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

लाभार्थी शिवानी ने कहा, कि जिला प्रशासन ने लाइसेंस के साथ हेलमेट प्रदान कर बेटियों की सुविधा के साथ-साथ उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखा है। विधायक श्री अनिरुद्ध मारू ने दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा, कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता हैं।

कार्यक्रम में सहायक संचालक वैभव बैरागी, श्री अश्विन सोनी,श्री आनंद श्रीवास्तव, सुश्री टीना परमेश्वर दडींग, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एमएल धाकड़ सहित समस्त पर्यवेक्षक, बालिकाएं एवं महिलाएं उपस्थित थी।

महिला दिवस विशेषः संघर्ष, साहस और संकल्प की मिसाल बनीं जावद एसडीएम प्रीति संघवी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं कि अगर हौसले मजबूत हों तो कोई भी कठिनाई रास्ता नहीं रोक सकती। इसी का जीता-जागता उदाहरण हैं जावद की एसडीएम प्रीति संघवी, जिनका जीवन संघर्ष, मेहनत और परिवार के सहयोग की प्रेरणादायक कहानी है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उनका सफर कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर सामने आता है।

प्रीति संघवी ने एमए (पॉलिटिकल साइंस) तक शिक्षा प्राप्त की। वे मूलतः छोटे से कस्बे सैलाना से हैं। बचपन से ही फिजिकल डिसेबिलिटी के कारण पढ़ाई के दौरान कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। छोटे कस्बे में रहने के कारण बाहर पढ़ाई के लिए आना-जाना भी आसान नहीं था और परिवार को भी चिंता रहती थी कि शारीरिक परेशानी के चलते उन्हें कठिनाई होगी। बावजूद इसके, परिवार का पूरा सहयोग और हौसला उन्हें लगातार आगे बढ़ाता रहा।

उन्होंने बताया कि उनके पूरे परिवार में उनसे पहले कोई भी सरकारी नौकरी में नहीं था, जिसके कारण पढ़ाई का माहौल और मार्गदर्शन भी सीमित था। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर वर्ष 2014 में सेल टैक्स विभाग में सीटीआई (कमर्शियल टैक्स इंस्पेक्टर) पद पर उनका चयन हुआ। इसके बाद उन्होंने अपने लक्ष्य को और ऊंचा रखा और दिसंबर 2016 में डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित होकर प्रशासनिक सेवा में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया।

प्रीति संघवी कहती हैं कि आज भी उन्हें अपने परिवार का पूरा सहयोग मिलता है। खासकर उनके पति हर कदम पर उनका साथ देते हैं। बच्चों की देखभाल से लेकर घर के अन्य कामों में भी सहयोग करते हैं, जिससे वे प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा पाती हैं।

महिला दिवस पर महिलाओं के लिए संदेश देते हुए प्रीति संघवी कहती हैं कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। जीवन में समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता, कभी परिस्थितियां अनुकूल होती हैं तो कभी प्रतिकूल। ऐसे समय में अपने प्रेरक लोगों के साथ बने रहना चाहिए, क्योंकि वही कठिन समय में हौसला देते हैं और आगे बढ़ने की ताकत भी।

संघर्षों से भरा उनका यह सफर बताता है कि मजबूत इरादों, परिवार के सहयोग और आत्मविश्वास से हर सपना पूरा किया जा सकता है। जावद एसडीएम प्रीति संघवी की कहानी महिला शक्ति और आत्मबल की सशक्त मिसाल है।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में सीबीएन की बड़ी कार्रवाई

जब खुफिया सूचना पर किराये के मकान में मारा अधिकारियों ने छापा तो 52 किलो से ज्यादा ब्लैक गोल्ड बरामद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की मध्य प्रदेश इकाई ने लाइसेंस प्राप्त अफीम के अवैध विचलन (डायवर्जन) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चित्तौड़गढ़ जिले में 52 किलोग्राम से अधिक अफीम जब्त की है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय, नीमच के नेतृत्व में सीबीएन की निवारक टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर 6 मार्च 2026 को पांडोली स्टेशन, कपासन क्षेत्र स्थित एक आवासीय परिसर में तलाशी अभियान चलाया। यह परिसर एक व्यक्ति के स्वामित्व में था, जहां तीन लाइसेंस प्राप्त अफीम किसान किराये के कमरों में रहकर खेती से जुड़े कार्य कर रहे थे।

भौतिक सत्यापन में सामने आई विसंगति- तलाशी के दौरान अधिकारियों ने किसानों के पास उपलब्ध अफीम का भौतिक सत्यापन किया। जांच में पाया गया कि मौके पर मौजूद अफीम की मात्रा और प्रारंभिक तौल रजिस्टर में दर्ज मात्रा के बीच बड़ा अंतर है।

नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस नियम, 1985 के नियम 13 के तहत किसानों को प्रतिदिन एकत्रित अफीम को दैनिक तौल के लिए प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है, ताकि उसका सही रिकॉर्ड दर्ज किया जा सके। हालांकि तलाशी के दौरान कुल 52.494 किलोग्राम अफीम और अफीम मिश्रित पानी बरामद किया गया, जो पंजीकृत मात्रा से कहीं अधिक पाया गया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्ती- मात्रा का पंजीकृत उत्पादन से मिलान नहीं होने के कारण पूरी बरामदगी को एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8, 18(ब), 19 और 42 के तहत जब्त कर लिया गया।

तलाशी के समय संबंधित किसान मौके पर मौजूद नहीं थे। उनसे पूछताछ की कार्रवाई की जानी बाकी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने कहा है कि मादक पदार्थों की अवैध तस्करी और लाइसेंस प्राप्त अफीम के दुरुपयोग को रोकने के लिए विभाग लगातार सख्त कार्रवाई करता रहेगा।

सम्पादकीय

आभासी दुनिया से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

डिजिटल युग में मानव जीवन की गति और स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस परिवर्तन ने जहां अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक माध्यमों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना और उनके स्वस्थ मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। एक अनुकरणीय पहल है, जिससे प्रेरणा लेते हुए अन्य प्रांतों को भी बचपन को सोशल मीडिया के खतरों से बचाने की दिशा में सार्थक उपक्रम करने चाहिए।

कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए आगामी नब्बे दिनों के भीतर कानून बनाया जाएगा। इस प्रकार आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा निर्णय लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इन दोनों राज्यों की पहल केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा भी है। विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर चिंतन हो रहा है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा चुका है, वहीं फ्रांस जैसे देशों में भी बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में अनेक मनोवैज्ञानिकों और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि सामाजिक माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, चिंता, अवसाद, ध्यान भंग होने की प्रवृत्ति तथा आक्रामक व्यवहार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर लगातार तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के मन में हीनता और असंतोष की भावना भी जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार के 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया गया था।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार किशोरों का औसत दैनिक स्क्रीन समय लगातार बढ़ रहा है। अनेक सर्वेक्षण बताते हैं कि कई देशों में तेरह से अठारह वर्ष आयु वर्ग के बच्चे प्रतिदिन तीन से छह घंटे तक आभासी माध्यमों पर समय बिताते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ता है। ध्यान और एकाग्रता की क्षमता में कमी आने से अध्ययन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चों का स्वाभाविक बचपन, जो खेलकूद, मित्रता और प्रकृति के साथ जुड़ाव से समृद्ध होता है, वह धीरे-धीरे कृत्रिम आभासी संसार में सिमटता जा रहा है। इसके अतिरिक्त आभासी माध्यमों के माध्यम से साइबर उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कई बार बच्चे अनजाने में ऐसे जाल में फंस जाते हैं जिससे उनका मानसिक संतुलन और सुरक्षा दोनों प्रभावित होते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध अनुचित सामग्री भी बच्चों के मनोविज्ञान पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए आभासी दुनिया के बढ़ते प्रचलन पर केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है। हालांकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल सराहनीय है, किंतु इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक व्यावहारिक प्रश्न भी सामने आते हैं। आज के समय में स्मार्टफोन और विभिन्न अनुप्रयोग शिक्षा और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। अनेक विद्यालय असाइनमेंट, सूचना और संवाद के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह निर्धारित करना कठिन हो सकता है कि किसी बच्चे द्वारा किया गया उपयोग शैक्षिक उद्देश्य से है या सामाजिक उद्देश्य से। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न आयु सत्यापन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यह सुनिश्चित करना कि कोई बच्चा वास्तव में तेरह या सोलह वर्ष से कम आयु का है, तकनीकी दृष्टि से एक जटिल कार्य है। यदि तकनीकी कंपनियां इस दिशा में सहयोग नहीं करती हैं तो नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो सकता है। अनेक परिवारों में एक ही मोबाइल फोन का उपयोग परिवार के कई सदस्य करते हैं, ऐसे में बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों तक पहुंच को पूरी तरह रोकना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

दिव्य व सनातन संस्कृति का प्रत्यक्ष स्वरूप है सहजयोग

सहजयोग परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा संस्थापित एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें मानव, धर्म की सत्यता व वास्तविकता से परिचित होता है। सहजयोग कोई संस्था या संगठन नहीं वरन् एक संस्कृति का नाम है। श्री माताजी ने स्वयं इसका वर्णन अपनी पुस्तक सहजयोग में किया है।

श्री माताजी के अनुसार, सहजयोग को समझने की एकमात्र विधि यह है कि, नम्र जिज्ञासु बनकर व्यक्ति आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करे। आत्म साक्षात्कार के पश्चात् यदि व्यक्ति सत्यता से सहज मार्ग को अपनाता है तो स्वयं हमारी कुंडलिनी शक्ति ही हमें सहज संस्कृति में प्रतिस्थापित करती जाती है। उसके लिए हमें अलग से कोई प्रयत्न नहीं करना होता जब मनुष्य आत्मा के ज्ञान को प्राप्त कर लेता है तब उसकी कुंडलिनी शक्ति की जागृति होती है तो वह स्वयं ही भौतिकता से परे हो जाता है। झूठ, बेईमानी, लोभ, मोह आदि अवगुण स्वयं ही उसका साथ छोड़ देते हैं। चरित्र में नैतिकता का गुण सहजयोगियों की पहचान बन जाता है। सहज व्यक्ति सदैव ही भयमुक्त, चिंतामुक्त, आनंद में मग्न रहता है क्योंकि आत्म साक्षात्कार प्राप्त करने के साथ ही वह परमात्मा के साम्राज्य में प्रवेश कर लेता है जहां प्रत्येक व्यक्ति तृप्त व संतुष्ट होता है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इसमें आप सांसारिक जीवन में रहकर सन्यास भाव को प्राप्त कर लेते हैं तथा प्रत्येक उतार-चढ़ाव के प्रति साक्षी स्वरूप हो जाते हैं सहज संस्कृति में व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कमी अपने जीवन में महसूस नहीं होती। किसी से कुछ पाने की लालसा समाप्त हो जाती है तथा देने का भाव जागृत होता है। निश्चित ही संसार में रहते हुए हर कार्य में धन की आवश्यकता होती है इसके लिए स्वयं श्री माताजी ने कहा है, कृपया याद रखिए कि हम परमात्मा के साम्राज्य में हैं और यह नागरिकता आपकी हर आवश्यकता को पूर्ण करती है हर वक्त आप इसका अनुभव करेंगे सहज योग का कार्य करने के लिए जब भी आप प्रयत्नशील होंगे किसी भी प्रकार से आपको साधनों की उपलब्धता हो जाएगी। परंतु इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि आप कर्मठता को छोड़ दें श्री माताजी के अनुसार सहजयोगी आलसी, कंजूस अथवा वैभव का प्रदर्शन करने वाले नहीं होते। वह अत्यंत विनम्र, प्रेममय तथा सभी का मान करने वाले होते हैं श्री माताजी के शब्दों में सहज योगी का हृदय गुलाबी रंग के कमल सा होना चाहिए जिसमें अतिथि सत्कार, माधुर्य तथा आनंदमय स्वभाव छलक पड़े।

जेब में पलता अदृश्य ज़हरः सोशल मीडिया और युवा मन का संकट

कभी मानव सभ्यता को खतरा बाहरी प्रदूषणों से था–धुएँ से, प्लास्टिक से, रसायनों से। पर आज सबसे घातक प्रदूषण हमारी जेब में रखा हुआ है–मोबाइल की चमकती स्क्रीन और उस पर दौड़ती सोशल मीडिया की दुनिया। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, पर मन और चेतना को भीतर से क्षीण कर देता है। यह शरीर को नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आशा को खा जाता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में युवाओं में अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या की घटनाओं के पीछे सोशल मीडिया की भूमिका तेजी से चर्चा में आई है। यह तकनीक सुविधा का साधन बनकर आई थी, लेकिन अनियंत्रित उपयोग ने इसे मानसिक विष में बदल दिया है। सोशल मीडिया का सबसे गहरा असर युवा मन की तुलना करने की प्रवृत्ति पर पड़ता है। यह मंच एक ऐसा आभासी संसार रच देता है जहाँ हर व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे चमकदार पक्ष ही दिखाता है। महंगी कारें, शानदार यात्राएँ, आकर्षक चेहरे और लगातार मिलती सफलता–इन दृश्यों को देखकर एक सामान्य युवा अनजाने में स्वयं को असफल समझने लगता है। उसे लगने लगता है कि बाकी सब लोग जीवन की दौड़ में उससे बहुत आगे निकल चुके हैं। यही निरंतर तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है और व्यक्ति को भीतर से तोड़ने लगती है।

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया–लाइक, कमेंट और शेयर–एक प्रकार की मनोवैज्ञानिक लत पैदा करती है। हर बार जब किसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया मिलती है, तो मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन सक्रिय होता है, जो क्षणिक खुशी देता है। लेकिन यही खुशी व्यक्ति को बार-बार उसी प्रतिक्रिया की तलाश में बाँध देती है। जब अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो निराशा और बेचैनी बढ़ जाती है। धीरे-धीरे यह मानसिक निर्भरता व्यक्ति के आत्मसम्मान को पूरी तरह बाहरी स्वीकृति पर आश्रित बना देती है।

इस समस्या का दूसरा गंभीर पक्ष है साइबर बुलिंग। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी, लेकिन इसके साथ ही अपमान और उत्पीड़न के नए रास्ते भी खोल दिए। गुमनाम पहचान के पीछे छिपकर लोग दूसरों का मजाक उड़ाते हैं, अपमानजनक टिप्पणियाँ करते हैं या निजी तस्वीरों को वायरल कर देते हैं। किशोर और युवा उम्र में आत्मसम्मान बेहद संवेदनशील होता है; ऐसे में सार्वजनिक अपमान मानसिक आघात बन जाता है। कई मामलों में यह अपमान इतना गहरा होता है कि पीड़ित युवा स्वयं को समाज के सामने असहाय महसूस करने लगता है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सोशल मीडिया युवाओं के वास्तविक संबंधों को कमजोर कर रहा है। पहले दुख या तनाव के समय व्यक्ति परिवार, मित्रों या समाज के बीच समाधान खोजता था। अब वही व्यक्ति अपनी भावनाएँ स्क्रीन पर उकेर देता है। लेकिन वर्चुअल दुनिया में संवेदनशीलता का स्थान अक्सर प्रतिक्रिया और मनोरंजन ने ले लिया है। कई बार गंभीर पीड़ा को भी लोग हल्के में लेते हैं या उसे मजाक बना देते हैं। परिणामस्वरूप पीड़ित व्यक्ति और अधिक अकेला महसूस करता है।

डिजिटल लत का प्रभाव युवाओं की दिनचर्या पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। देर रात तक मोबाइल पर सक्रिय रहने से नींद प्रभावित होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, चिंता और ध्यान की कमी बढ़ती है। पढ़ाई, करियर और सामाजिक जीवन पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। जब व्यक्ति बार-बार असफलता या असंतुलन महसूस करता है, तो उसके भीतर निराशा की भावना और गहरी होने लगती है।

सोशल मीडिया की एक और खतरनाक प्रवृत्ति है परफेक्ट लाइफ का भ्रम। यह मंच वास्तविक जीवन की जटिलताओं को छिपाकर केवल आकर्षक क्षणों को सामने लाता है। संघर्ष, असफलता और साधारण जीवन के पल लगभग गायब रहते हैं। परिणामस्वरूप देखने वाले युवाओं को लगता है कि बाकी सभी लोग खुश और सफल हैं, केवल वही संघर्ष कर रहे हैं। यही भ्रम धीरे-धीरे आत्मसम्मान को कमजोर करता है और जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करता है।

हाल के वर्षों में कई देशों में किए गए अध्ययन यह संकेत देते हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग और युवाओं में बढ़ती मानसिक समस्याओं के बीच स्पष्ट संबंध दिखाई देता है। चिंता, अवसाद, आत्महीनता और अकेलापन–ये सभी समस्याएँ अनियंत्रित सोशल मीडिया उपयोग से और बढ़ सकती हैं। जब व्यक्ति लगातार आभासी दुनिया में डूबा रहता है, तो वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने की उसकी क्षमता धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगती है।

इस समस्या का समाधान केवल तकनीक से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में छिपा है। युवाओं को यह समझाना आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली दुनिया पूरी सच्चाई नहीं होती। यह जीवन का केवल चुना हुआ और सजाया हुआ हिस्सा होता है। यदि युवा इस अंतर को समझ लें, तो वे तुलना और निराशा के जाल से बच सकते हैं। इसके साथ ही डिजिटल अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है–सीमित समय तक उपयोग, नियमित विश्राम और वास्तविक जीवन की गतिविधियों में भागीदारी।

परिवार और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उनकी भावनात्मक स्थिति को समझने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य और डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि युवा ऑनलाइन दुनिया के खतरों को पहचान सकें। यदि समाज समय रहते संवेदनशीलता और समर्थन का वातावरण बना सके, तो कई दुखद घटनाओं को रोका जा सकता है।

आज तकनीक को नकारना संभव नहीं, क्योंकि वह हमारे जीवन की धड़कनों में शामिल हो चुकी है। प्रश्न यह नहीं कि सोशल मीडिया रहे या नहीं, बल्कि यह है कि हम उसका उपयोग किस विवेक और जिम्मेदारी के साथ करते हैं। यदि इसका संतुलित और सजग उपयोग हो, तो यही माध्यम ज्ञान, रचनात्मकता और संवाद का सशक्त सेतु बन सकता है। लेकिन यदि नियंत्रण खो जाए, तो यही चमकती स्क्रीन धीरे-धीरे मानसिक विष बनकर हमारी युवा पीढ़ी की ऊर्जा, आत्मविश्वास और आशा को भीतर ही भीतर निगल सकती है।

आज आवश्यकता है कि समाज इस अदृश्य खतरे को गंभीरता से समझे। प्लास्टिक पर्यावरण को प्रदूषित करता है, लेकिन सोशल मीडिया का असंतुलित प्रभाव मन और विचारों को प्रदूषित कर सकता है। यदि हम युवाओं को सुरक्षित और सशक्त भविष्य देना चाहते हैं, तो हमें उन्हें आभासी चमक से अधिक वास्तविक जीवन के मूल्य सिखाने होंगे। तभी यह पीढ़ी निराशा के अंधेरे में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और संतुलन की रोशनी में आगे बढ़ सकेगी।

-प्रो. आरके जैन

नए नेपाल के निर्माण का जनादेश

नेपाल के लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा चुका है। आम चुनावों के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) देश की पहली लगभग पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने जा रही है। इस जीत के नायक 35 वर्षीय बालेंद्र शाह उर्फ बालेन हैं, जिनका प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है।

नेपाल में इस राजनीतिक बदलाव की नींव सितंबर 2025 में जेन-जी युवा आंदोलन ने रखी थी। नेपाल के राजनीतिक इतिहास में, जहां हर वर्ष दर्जनों नए दल बनते और मिटते हैं, जहां नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-एमाले और माओवादी केंद्र जैसे दशकों पुराने पारंपरिक दलों का एकछत्र वर्चस्व रहा है, जहां शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और गगन थापा जैसे दिग्गजों ने लंबे समय तक सत्ता की धुरी को नियंत्रण में रखा, जहां राजनीति सदैव पहाड़ बनाम मधेश, धार्मिक ध्रुवीकरण और नृजातीय समीकरणों के तराजू में तौली जाती रही है। ऐसे जटिल परिवेश में जिस दल की स्थापना महज चार वर्ष पूर्व हुई हो, उसकी ऐसी अभूतपूर्व चुनावी जीत कल्पना से परे थी।

इस चुनावी सुनामी के पीछे दो प्रमुख कारण दिखते हैं। पहला, नए नेपाल की परिकल्पना का मूल आधार एक ऐसे राष्ट्र की स्थापना था, जो भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से मुक्त हो। इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत वर्ष 2008 में राजशाही के अंत और लोकतंत्र की स्थापना के साथ हुई। माना गया था कि सैकड़ों वर्षों के राजतंत्र, जिसमें सत्ता दरबार के वफादारों तक सीमित थी और जनता का एक बड़ा वर्ग हाशिये पर था, उसका अंत लोकतांत्रिक व्यवस्था से होगा।

विडंबना यह रही कि 2008 के बाद जो भी राजनीतिक दल उभरे, उनकी कार्यशैली और जड़ें पुरानी व्यवस्था से ही प्रभावित थीं। यद्यपि माओवादी दलों पर भी सत्ता की लोलुपता हावी रही। परिणामस्वरूप लोकतंत्र आने के बावजूद आम जनता को कोई वास्तविक राहत नहीं मिल सकी। नेपाल के पिछले 18 वर्षों के लोकतांत्रिक यात्रा में चार आम चुनावों के दौरान देश ने एक दर्जन से अधिक प्रधानमंत्री और दर्जनों उप-प्रधानमंत्री बदलते देखे हैं।

राजनीतिक उठापटक के कारण कोई भी सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। इस अनिश्चितता के बीच जनता ने आरएसपी को पूर्ण बहुमत देकर न केवल राजनीतिक अस्थिरता को समाप्त किया है, बल्कि गठबंधन की मजबूरियों वाली राजनीति का भी अंत कर दिया है। चूंकि आरएसपी का कोई विवादास्पद पुराना इतिहास नहीं था, इसलिए जनता ने बालेन शाह के नेतृत्व पर अटूट भरोसा जताया। दूसरा, आरएसपी की जीत का श्रेय नेपाल के युवाओं को भी जाता है, जिन्होंने बालेन शाह को एक नए नेपाल के उद्भव का महत्वपूर्ण कारक माना। बालेन पेशे से इंजीनियर रहे हैं और बाद में रैप संगीत की दुनिया में उतरे।

-ऋषि गुप्ता

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक होते हैं। किसी भी देश में समस्त प्रयासों की रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए उसी के फल स्वरुप राष्ट्र का आर्थिक तंत्र मजबूत तथा शक्तिशाली होता है।

जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3त्न नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

-संजीव ठाकुर

संस्थागत संस्कृति के सामने खड़ा सियासी व्यवहार का प्रश्न

लोकतंत्र केवल चुनावों और सत्ता परिवर्तन की औपचारिक प्रक्रिया का नाम नहीं है; यह सम्मान, मर्यादा और संस्थागत गरिमा की उस सूक्ष्म परंपरा पर आधारित व्यवस्था है जो शासन को स्थायित्व और विश्वसनीयता प्रदान करती है। जब इस परंपरा में जरा-सी भी दरार पड़ती है, तब कोई सामान्य-सी घटना भी राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बन जाती है। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जुड़ा हालिया विवाद इसी प्रकार का प्रसंग है, जिसने भारतीय लोकतंत्र के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है—क्या तीव्र होती राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच संवैधानिक पदों के प्रति सम्मान धीरे-धीरे केवल औपचारिकता बनकर रह गया है? राष्ट्रपति के मंच से व्यक्त हुए कुछ भावुक शब्दों ने पूरे देश को यह सोचने पर विवश कर दिया कि प्रोटोकॉल महज़ नियमों का संकलन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा और उसकी गरिमा को सुरक्षित रखने वाला आवश्यक अनुशासन है।

संविधान की सबसे गहरी शक्ति उसकी संस्थाओं की गरिमा में निहित होती है और उन संस्थाओं में राष्ट्रपति का पद राष्ट्र की सर्वोच्च मर्यादा और एकता का जीवंत प्रतीक माना जाता है। इसलिए राष्ट्रपति को केवल एक औपचारिक पद के रूप में देखना संविधान की भावना को सीमित कर देना होगा। जब इस पद पर आसीन व्यक्ति सार्वजनिक मंच से यह अनुभव व्यक्त करे कि उसे उसके पद के अनुरूप सम्मान नहीं मिला, तो यह महज़ व्यक्तिगत असहजता का प्रसंग नहीं रह जाता। यह उस संवैधानिक संस्कृति की परीक्षा बन जाता है जिस पर भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की नींव टिकी है। किसी भी राज्य की सरकार, चाहे वह किसी भी दल की क्यों न हो, उसके लिए यह अनिवार्य है कि वह राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र की संस्थाओं का सम्मान बनाए रखे। क्योंकि जब संस्थाओं के प्रति आदर कम होने लगता है, तब अंततः लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी धीरे-धीरे क्षीण पड़ने लगती है।

आदिवासी समाज की संवेदनशीलता इस घटना का उतना ही महत्वपूर्ण पक्ष है। भारत के आदिवासी समुदाय सदियों से अपनी पहचान और सांस्कृतिक सम्मान के लिए संघर्ष करते रहे हैं। ऐसे में जब देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति किसी सांस्कृतिक आयोजन में पहुंचती हैं, तो वह केवल एक कार्यक्रम नहीं रहता, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से पूरे समुदाय के आत्मसम्मान का उत्सव बन जाता है। यदि उस अवसर पर किसी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही या प्रोटोकॉल की कमी का आरोप लगे, तो स्वाभाविक है कि यह पीड़ा अधिक गहरी महसूस होती है। इसलिए राष्ट्रपति के शब्दों में जो भावुकता दिखाई दी, वह केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संवेदनशीलता का प्रतिबिंब भी थी जो आदिवासी समाज से जुड़ी है।

आज की राजनीति की एक बड़ी विडंबना यह बन गई है कि लगभग हर घटना को तुरंत राजनीतिक दृष्टि से परखा जाने लगता है। राष्ट्रपति की टिप्पणी सामने आते ही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का तूफान उठना स्वाभाविक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे गंभीर विषय बताते हुए संवैधानिक गरिमा का प्रश्न बताया, जबकि दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक होते हैं, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब संवैधानिक संस्थाएं भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा बनने लगती हैं। तब वास्तविक मुद्दा—संस्थाओं की प्रतिष्ठा—पृष्ठभूमि में चला जाता है और चर्चा केवल दलगत हितों तक सीमित रह जाती है।

प्रोटोकॉल को अक्सर महज औपचारिकता समझ लिया जाता है, जबकि उसका असली महत्व उसके संदेश में छिपा होता है। जब किसी राज्य में राष्ट्रपति का स्वागत मुख्यमंत्री या वरिष्ठ मंत्री करते हैं, तो वह केवल एक स्वागत समारोह नहीं होता; यह उस राज्य की ओर से राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति होता है। यदि यह परंपरा टूटती है, तो जनता के मन में यह संदेश जाता है कि राजनीतिक असहमति संस्थागत मर्यादा से भी बड़ी हो गई है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए स्वस्थ नहीं कही जा सकती, क्योंकि जब संस्थाओं के प्रति सम्मान धीरे-धीरे कम होने लगता है, तो व्यवस्था की विश्वसनीयता भी प्रभावित होने लगती है।

इस पूरे विवाद ने एक बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक प्रश्न को सामने ला खड़ा किया है—क्या हमारे लोकतंत्र में संवाद और संवेदनशीलता की जगह धीरे-धीरे कम होती जा रही है? यदि किसी प्रशासनिक कारण से कोई कार्यक्रम अपने मूल स्वरूप में आयोजित नहीं हो पाया, तो उसे स्पष्ट और संयमित संवाद के माध्यम से सहजता से समझाया जा सकता था। लेकिन जब संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप ले लेते हैं, तो छोटा सा मतभेद भी गहरे विवाद का रूप ले लेता है। दरअसल लोकतंत्र की असली ताकत इसी में निहित होती है कि वह मतभेदों और असहमतियों के बावजूद संवाद के दरवाजे खुले रखता है। यदि यह रास्ता संकुचित होने लगे, तो राजनीतिक टकराव अनावश्यक रूप से तीखे और कटु हो जाते हैं, और उसके साथ-साथ लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा भी प्रभावित होने लगती है।

इस पूरे प्रसंग को केवल एक राजनीतिक विवाद मानकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं होगा। दरअसल इसे उस चेतावनी के रूप में देखना चाहिए जो लोकतंत्र समय-समय पर अपने आचरण के माध्यम से देता है। संविधान की संस्थाएं तभी वास्तव में मजबूत और विश्वसनीय बनती हैं, जब उनके प्रति व्यवहार में सम्मान, संयम और संतुलन स्पष्ट दिखाई दे। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी संवैधानिक पद—इन सबकी गरिमा केवल संविधान की किताब में नहीं बल्कि वह राजनीतिक आचरण और सार्वजनिक व्यवहार में भी प्रतिबिंबित होनी चाहिए। यदि यह आचरण कमजोर पड़ता है, तो धीरे-धीरे संस्थागत विश्वास भी कम होने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी राजनीतिक दल इस घटना से सबक लें और भविष्य में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न न हों, इसके लिए अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार व्यवहार का प्रयास करें।

लोकतंत्र की असली कसौटी सत्ता की जीत-हार में नहीं, बल्कि संस्थाओं के प्रति निभाई जाने वाली सामूहिक जिम्मेदारी में छिपी होती है। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन संस्थाएं स्थायी होती हैं और उनका सम्मान ही राष्ट्र की स्थिरता का आधार बनता है। पश्चिम बंगाल की यह घटना चाहे जिस कारण से हुई हो, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि संवैधानिक पदों की गरिमा से जुड़ी छोटी-सी चूक भी राष्ट्रीय बहस का विषय बन सकती है। इसलिए राजनीति की तीखी धूप के बीच भी लोकतंत्र की यह मर्यादा सुरक्षित रहनी चाहिए—क्योंकि जब संस्थाओं का सम्मान अक्षुण्ण रहता है, तभी लोकतंत्र वास्तव में मजबूत, संतुलित और विश्वसनीय बन पाता है।

-धनंजय राजौरा

परिस्थितियों का लाभ उठाए भारत

बीते दिनों अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक एकाएक दिल्ली दौरे पर पहुंचे। उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से बातचीत की और उसे सार्थक भी बताया। ये वही लुटनिक हैं जिन्होंने पिछले महीने कहा था कि व्यापार समझौते की सारी तैयारी हो चुकी थी और यदि मोदी जी राष्ट्रपति ट्रंप को फोन कर लेते तो समझौता हो गया होता। भारत को उनके दावे का खंडन करना पड़ा। उससे पहले कहा था कि एक-दो महीनों के भीतर ही भारत को माफी मांगनी होगी और समझौता करने की कोशिश करनी होगी।

क्या उन्होंने यह कहते समय सोचा होगा कि एक दिन उन्हें ही समझौते के लिए भागकर भारत आना होगा? समय का यह फेर अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के उस ऐतिहासिक निर्णय ने कराया जिसने टैरिफ लगाने के लिए आपात आर्थिक शक्ति कानून के प्रयोग को असंवैधानिक ठहरा दिया। विडंबना यह है कि आपात आर्थिक शक्ति कानून को 1977 में राष्ट्रपति की आपात शक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए पारित किया गया था। हालांकि ट्रंप उसी का प्रयोग अपनी विदेश-अर्थनीति के बड़े हथियार के रूप में कर पूरी दुनिया को नचा रहे थे।

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के अंकुश से तिलमिलाए ट्रंप ने व्यापार अधिनियम की धारा 122 का प्रयोग करते हुए सभी देशों के आयात पर 24 फरवरी से 10 प्रतिशत सरचार्ज लगाने का एलान कर दिया और अगले ही दिन उसे उसकी अधिकतम सीमा तक बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की धमकी दे डाली। अब वे उन देशों को धारा 232, 301 और 388 के सहारे सबक सिखाने की धमकी दे रहे हैं जो नए सिरे से मोलभाव करने की योजना बना रहे हैं। धारा 232 उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के बहाने और धारा 301 अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यापारिक हथकंडे अपनाने वालों के खिलाफ टैरिफ और प्रतिबंध थोपने का अधिकार देती हैं।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अमलतास विश्वविद्यालय में मातृशक्ति का सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मातृशक्ति सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज और स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं की शक्ति और उनके समर्पण को सराहा गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर देवास श्रीमती अंशु जावला, और डिप्टी डायरेक्टर सामाजिक न्याय श्रीमती संगीता यादव उपस्थित रहीं। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला शक्ति को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा की आज चिकित्सा का क्षेत्र हो या समाज सेवा, मातृशक्ति हर मोर्चे पर अपनी योग्यता सिद्ध कर रही है। एक महिला जब शिक्षित और सशक्त होती है, तो वह पूरे परिवार और समाज के स्वास्थ्य की रक्षक बनती है। अमलतास विश्वविद्यालय द्वारा महिला शक्ति का यह सम्मान न केवल उनके कार्यों की सराहना है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। हमें गर्व है अमलतास ग्रुप की सभी महिला चिकित्सक, कर्मचारी, नर्सिंग, पैरामेडिकल स्टाफ निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा में जुटे हैं।

इस अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शरद चन्द्र, डीन डॉ. ए.के. पीठवा, कुलसचिव श्री संजय रामभोले अस्पताल निदेशक डॉ. प्रशांत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, एवं आगंतुकों, चिकित्सकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य डॉ. संगीता तिवारी ,डॉ. नीलम खान, डॉ. अनीता घोडके, डॉ. स्नेहा सहाय यूथंम, डॉ. योगेंद्र भदौरिया, डॉ. अंजलि मेहता, डॉ. आस्था नागर, डॉ. भारती लाहोरिया सहित सभी चिकित्सक , शिक्षक उपस्थित रहे।

अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय द्वारा बताया गया की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि नारी शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। महिलाएं न केवल परिवार, बल्कि राष्ट्र निर्माण की रीढ़ हैं। हमारा विश्वविद्यालय नारी सशक्तिकरण के प्रति सदैव समर्पित है।

अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग की लगातार कार्रवाई

5 प्रकरण आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋषिराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी देवास द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसमें सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे एवं निलेश पंवार के नेतृत्व में आबकारी की टीम द्वारा देवास शहर में संदिग्ध स्थानों एवं ढाबा होटलों पर दबिश कार्यवाही की गई ,जिसमे बावडिया,बालगढ़ रोड,स्टेशन रोड़,राधागंज एवं बाईपास स्थित ढाबों पर संदिग्ध स्थानों पर सर्चिंग कर कार्यवाही की गई जिसमे 18 बॉटल विदेशी मदिरा,52 पाव विदेशी मदिरा ,09 बियर बॉटल ,34 कैन बियर 40 पाव देशी मदिरा बरामद की गई । कार्यवाही में कुल 05 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दर्ज किए गए है,जप्त सामग्री का मूल्य लगभग 31600 रुपये है।

आज की कार्यावाही में आबकारी उपनिरीक प्रेम यादव एवं अरविंद सोलंकी आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, निहाल खत्री,आशीष गुप्ता,सुरेंद्र ,दीपक सैनिक किशोर एवं अनिल सम्मिलित रहे, इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

जिले की शासकीय संस्थाओं में किया जा रहा है निःशुल्क टीकाकरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य जिले में कलेक्टर श्री ऋषिराज सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिले में 10 स्थानों पर यह टीकाकरण किया जा रहा है। जिसमें जिला चिकित्सालय देवास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरोठा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयागंज मंडी, सिविल अस्पताल सोनकच्छ, सिविल अस्पताल खातेगांव, सिविल अस्पताल कन्नौद, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतवास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागली, सिविल अस्पताल हाटपीपल्या एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टोंकखुर्द सम्मिलित हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम कर करने के लिए निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। एचपीवी टीकाकरण अंतर्गत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष पूर्ण न करने वाली बालिकाओं (जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है लेकिन अभी तक अपना 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है) को निःशुल्क एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है । सीएमएचओ डॉ. बेक ने बताया कि यह टीका पूर्णतः सुरक्षित एवं प्रभावी है, जो सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक है। सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर वह कैंसर है जो गर्भाशय के निचले सिरे में होता है। लगभग 99.7 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर उच्च जोखिम वाले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस द्वारा जननांग पथ के लगातार संक्रमण के कारण होता है। विशेषज्ञों के अनुसार सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है।

निगम एमआईसी की बैठक महापौर की अध्यक्षता मे सम्पन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार 9 मार्च को निगम बैठक हाल में सम्पन्न हुई ।

उरोक्त बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को विचारार्थ एवं स्वीकृति हेतु रखा गया। जिसमें आगामी परिषद मे बजट पारित की सर्व स्वीकृति के लिए भेजे जाने हेतु एमआईसी ने सहमति दी ।

दिव्यांगजन पुनर्वास स्थानीय निधि योजना के 2026-27 के बजट को निगम परिषद के समक्ष रखे जाने हेतु महापौर परिषद ने दी स्वीकृति। स्वीकृति के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा अब दिव्यांजनों को उपलब्ध होगें उनके सुविधा उपकरण। इसी अन्तर्गत पुनर्वास स्थानिय निधि से दिव्यांगों एवं विकलांगों को मिलेगी नगर निगम से सुविधा ।

इसके अतिरिक्त अमृत 2.0 योजना अन्तर्गत सिवरेज कार्य की पांचवी निविदा में ठेकेदार फर्म दिनेशचन्द्र आर.अग्रवाल बडोदरा गुजारात की प्राप्त वित्तीय दर की एसएलटीसी से प्राप्त स्वीकृति एवं निगम मद से होने वाली राशि के संबंध मे मान.महापौर द्वारा एम.आई.सी. पुष्टि की प्रत्याशा मे की गई स्वीकृति की पुष्टि की गई ।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 बीएलसी घटक अन्तर्गत डीपीआर क्रमांक 6, 7 एवं 8 के अन्तर्गत 103, 104 एवं 110 हितग्राहियों की डीपीआर को एमआईसी की पुष्टि की प्रत्याशा में दी गई स्वीकृति की पुष्टि की गई ।

संपत्तिकर एवं जलकर उपभोक्ताओं को वर्ष 2026-27 मे एक मुश्त अग्रीम कर जमा करने पर 30 जून तक जलकर पर 6 प्रतिशत तथा संपत्तिकर में 5 प्रतिशत की छूट दिये जाने हेतु स्वीकृति दी गई ।

भवन अनुज्ञा के स्वीकृत किये गये प्रकरणों मे मलबा शुल्क रूपये 30 प्रति फीट से बढाकर 50 रूपये फीट किये जाने की स्वीकृति दी गई ।

बस स्टेण्ड अनुरक्षण शुल्क वसुली को निविदा के माध्यम से निजी संस्था से वसुली के करवाने बाबद ।

शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर गाईड लाईन मे वृद्धि केअनुरूप संपत्तिकर की दरों में वृद्धि किये जाने के परिषद के पूर्व प्रस्ताव अनुरूप वर्ष 2026-27 में संपत्तिकर में वृद्धि किये जान के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई । इसी प्रकार पेयजल प्रदाय मे होने वाली आय ओर व्यय में अंतर को कम करने के दृष्टिगत जलकर को बढाने के निर्णय पर स्वीकृति दी गई ।

पेयजल संकट वाले ग्रामों का चिन्हांकन कर पेयजल आपूर्ति की कार्ययोजना बनाएं- कलेक्टर बाफना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कलेक्टर बाफना ने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दियए कि ग्रीष्मकाल को देखते हुए जिन ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना हो, उन ग्रामों का अभी से चिन्हांकन कर कार्ययोजना बनाएं एवं वहां पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

साथ ही उन्होंने वैकल्पिक पेयजल स्त्रोंतों का चिन्हांकन भी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को जिला पंचायत कार्यालय में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पेयजल कन्ट्रोल रूम बनाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर बाफना ने जलनिगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को 31 मार्च 2026 तक रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को जलजीवन मिशन अंतर्गत पूर्ण योजनाओं को हस्तांतरण करने व अधूरी जलजीवन मिशन की योजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर बाफना ने स्वास्थ्य विभाग के रेफरल प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा भी की।

साथ ही उन्होंने सीएमएचओ को जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने, गर्भवती माताओं की समग्र ईकेवायसी कराने तथा सोनोग्राफी सेंटर पर सोनोग्राफी प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सहकारिता विभाग की समीक्षा कर धारा-85 के प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होने बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी को गेहूं उपार्जन के तहत किसान पंजीयन कराने एवं पंजीयन केंद्र की स्थापना की आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सीईओ को हितग्राहियों की ईकेवायसी कराने तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को अपूर्ण आंगनवाड़ी भवनों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी को नियम विरूद्ध संचालित वाहनों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पशुपालन एंव डेयरी विभाग तथा उद्यानिकी के अधिकारी को केसीसी ऋण के लक्ष्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर बाफना ने जिला परियोजना समन्वयक को विद्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं मिशन अंकुर अंतर्गत कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर ने सीएम डेशबोर्ड में दर्ज योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर समयसीमा में निराकृत करने, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व शहरी में प्रगति लाने, सामाजिक न्याय विभाग की पेंशन योजनाओं में हितग्राहियो की केवायसी तथा समग्र आईडी से आधार लिंक केवायसी कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सभी अधिकारी स्वयं व अपने रिश्तेदारों की 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाएं- कलेक्टर बाफना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना ने जिले के आमजनों से अनुरोध किया है कि वे अपने परिवार व रिश्तेदारों की 14 वर्ष की किशोरी बालिकाओं (जिन्होंने अपना 14वां जन्म दिन मना लिया हो और 15वां जन्म दिन नहीं मनाया हो) को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाएं। साथ ही एचपीवी टीकाकरण लगवाने के लिए प्रेरित करें एवं उन्हें समझाईश दें कि एचपीव्ही वैक्सीन से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है एवं इसके कोई साईड इफेक्ट नहीं हैं, यह बहुत ही मंहगी वैक्सीन है, जिसे शासन द्वारा निःशुल्क लगाया जा रहा है। कलेक्टर बाफना ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्वयं और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के परिवार, उनके परिवारजनों की उक्त उम्र की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण अनिवार्य रूप से लगवाएं। साथ ही उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ, आशा, सहायिकाओं, सचिव, रोजगार सहायक, शिक्षकों, जनपद सीईओ आदि का सहयोग लेकर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंचों से समन्वय स्थापित कर ग्रामीण क्षेत्र में एचपीवी टीकाकरण के लिए अभिभावकों को प्रेरित करें एवं उन्हें समझाईश भी दें। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी जनप्रतिनिधियों, प्रतिष्ठित चिकित्सकों, महिला चिकित्सकों, धर्मगुरूओं की वीडियों बनाकर प्रचार-प्रसार करें। साथ ही समस्त शासकीय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी एचपीव्ही वैक्सीन का अपने-अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करें।

7 स्वास्थ्य संस्थाओं में एचपीवी टीकाकरण- एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमा वायरस वैक्सीन) टीकाकरण जिले की चिन्हित 7 स्वास्थ्य संस्थाओं जिनमें जिला चिकित्सालय शाजापुर, सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर मण्डी, सिविल हॉस्पीटल अकोदिया मण्डी, सामु.स्वा.के.सुन्दरगढ़, सामु.स्वा.के. कालापीपल, सामु.स्वा.के. पोलायकलां, सामु.स्वा.के. मो. बड़ौदिया में पूर्णतः निःशुल्क लगाया जा रहा है।

एनईपी-2020 एवं संकाय विकास कार्यक्रम में डॉ. बोड़ाने को ए ग्रेड

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, बीकेएसएन शासकीय अग्रणी महाविद्यालय, शाजापुर के रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष एवं जिला नोडल अधिकारी (ई-प्रवेश) डॉ. अरुण कुमार बोड़ाने ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात द्वारा आयोजित छ दिवसीय ऑनलाइन एनईपी-2020 संवेदीकरण एवं अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया। साथ ही यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेज बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा ऑनलाइन आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी एसेंशियल एंड प्लैगरिज्म चौलेंजेस विषय पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भी सहभागिता कर ए ग्रेड प्राप्त किया। डॉ. बोड़ाने महाविद्यालय के पहले ऐसे सहायक प्राध्यापक हैं, जो विज्ञान संकाय के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में शोध निर्देशक के रूप में पंजीकृत हुए हैं और वे निरंतर उच्च शिक्षा के शेत्र में शैक्षणिक नवाचारों के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के.तिवारी ने प्रमाण पत्र दिया।

सांदीपनि स्कूल में महिला सम्मान समारोह आयोजित, विधायक भीमावत ने बांटे प्रमाण पत्र

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को नगर के सांदीपनि हायर सेकेंडरी स्कूल में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाजापुर विधायक अरुण भीमावत मौजूद रहे। जबकि अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य सविता सोनी ने की। कार्यक्रम का आयोजन युवा भारत संस्था के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अरुण भीमावत ने क्षेत्र की प्रतिभावान और कर्मठ महिलाओं को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होने मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक सशक्त महिला ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। महिलाओं के पूर्ण सशक्तिकरण के बिना देश का प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना संभव नहीं है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा महिलाओं को उच्च शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरूकता के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर युवा भारत संस्था के सदस्य, सांदीपनि विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा बड़ी संख्या में क्षेत्र की मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

शहर के चार एनएसएस स्वयंसेवक चित्रकूट में बढ़ा रहे जिले का मान

एनएसएस स्टेट कैंप में शाजापुर से गोविंद, सूरज, मोना और चंचल का चयन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, बी.के.एस.एन. गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर की एनएसएस इकाई के चार स्वयंसेवक गोविंद गोस्वामी, सूरज राय, मोना सौराष्ट्रीय और चंचल पाटीदार का चयन एनएसएस मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर 2026 के लिए हुआ है। इस सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 08 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चित्रकूट के दीनदयाल शोध संस्थान (उद्यमिता परिसर), जिला सतना में किया जा रहा है। इन चारों स्वयंसेवकों का चयन एनएसएस की दैनिक एवं विशेष गतिविधियों में उनकी सक्रियता तथा एनएसएस परेड दल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इस विशेष उपलब्धि पर स्वयंसेवकों को

मां राजराजेश्वरी माता मंदिर प्रांगण से पूरे उत्साह के साथ विदा किया गया, जहां रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा, भारतीय ज्ञान प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. बी. एल. मालवीय एवं युवा उत्सव प्रभारी डॉ. डी.आर. राठौर ने उन्हें मोती माला व एनएसएस केप पहनाकर रवाना किया। इस अवसर पर एनएसएस इकाई एम्बेसडर रवि कुमार तथा एनएसएस एसयूओ लक्ष्मी पुष्पद ने भी उपस्थित होकर साथियों का उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एस. के. तिवारी ने इस चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगा।

बजट 2026 में ऑरेंज इकनॉमिक्स (रचनात्मक अर्थ व्यवस्था)के प्रावधानों पर वेबिनार का सीधा प्रसारण से हुए लाभान्वित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय कप महाविद्यालय देवास में 9 मार्च को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय कंप्यूटिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान आईसीटी नई दिल्ली के तत्वाधान में प्रात 10 बजे से बजट 2026 में नारंगी इकोनामी रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए किए वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार को प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किया गया इसमें बिहार का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.पी.एस.राणा के निर्देशानुसार वाणिज्य विभाग एवं आई क्यू ए सी के सहसंयोजन से महाविद्यालय के संस्कार हॉल में सीधा प्रसारण देखने की व्यवस्था की गई। नियत समय पर प्रसारण आरंभ हुआ। इस

वेबीनार के मॉडरेटर के रूप में श्री चौतन्य चचलीकर वेबीनार के मुख्य वक्ता में डॉ.आशीष कुलकर्णी चेयरमैन एफआयसीसीटी एवीजीसी फोरम राजन नवानी फाउंडर एंड ग्रुप सीईओ मुंजाल सराफ,डायरेक्टर सीओओ ग्राफिटी वीरन घोष मैनेजिंग डायरेक्टर एपी एण्ड ग्लोबल एक्सी आदि उपस्थित रहे । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.पी.एस. राणा, डॉ. संजय गाडगे के प्रशासनिक अधिकारी डॉ.आर.के मराठा एवं वाणिज्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. विद्या माहेश्वरी एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बी.एस.जाधव सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने बजट 2026 ऑरेंज इकोनामी विषय पर वेबीनार का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण का लाभ लेने हेतु सम्मिलित हुए एवं उसके मुख्य बिंदुओं और विवरण को नोट भी किया गया वेबीनार में विभिन्न विषय विशेषज्ञ एवं वाणिज्यिक सलाहकार के साथ बजट 2026 से जुड़े क्रियान्वयन अधिकारियों की बजट 2026 में तय किए गए प्रावधानों कार्यों और उनके क्रियान्वयन की नीति, अवधि, लाभ एवं भविष्य उपयोगी योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। बजट 2026 पर आयोजित वेबिनार में दिए गए प्रावधानों के संबंध में प्राप्त जानकारी निश्चित ही लाभप्रद है ।

नवरात्रि पर्व पर सुगमता से दर्शन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें - कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चैत्र नवरात्रि पर्व 19 मार्च से मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री ऋषिराज सिंह की अध्यक्षता में मॉ चामुण्डा शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति कार्यालय में बैठक आयोजित हुई। बैठक में महापौर प्रतिनिधि श्री दुर्गेश अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, एसडीएम देवास श्री अभिषेक शर्मा, परिवीक्षाधीन आईपीएस श्री आलोक कुमार वर्मा, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, नगर निगम, वन विभाग, यातायात, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि माताजी टेकरी पर दर्शन के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन हों, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। टेकरी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिशा-निर्देश के पोस्टर लगाएं और दूरी भी लिखें। श्रद्धालुओं को प्रसाद लेने के लिए कोई भी दुकानदार परेशान नहीं करें, इस संबंध में दुकानदारों की बैठक लें।

बाबूजी प्रीमियर लीग 2.0 का आतिशबाजी व रंगारंग ओपनिंग सेरेमनी के साथ शुरुआत होगा

बाबूजी प्रीमियर लीग बीपीएल में विधानसभा क्षेत्र की 144 टीमें भाग लेगी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में स्श्चश्वह्लह्लह्य प्रीमियर लीग 2.0 का आगाज मंगलवार से जनपद पंचायत भवन के सामने मैदान में होगा। रंगारंग ओपनिंग सेरेमनी के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत होगी। बाबूजी प्रीमियर लीग बीपीएल में इस बार 144 टीमें भाग लेगी। प्रतिदिन सात मैच आयोजित होगे। 10 तारीख से प्रांरभ होने वाली विधानसभा क्षेत्र की सबसे बडी किक्रेट प्रतियोगिता में चौके छक्कों की बरसात होगी। मैच देखने हेतु सुव्यस्थित बैठक की व्यवस्था की गई है। सभी मुकाबले दुधिया रोशनी में होगे।

विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार ने बताया कि बाबूजी प्रीमियर लीग 2.0 की शुरुआत 10 तारीख मंगलवार को होगी। विधायक एवं अन्य अतिथियों की मौजूदगी में आतिशबाजी के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत होगी। प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली सभी टीमो के खिलाडियों को विधायक शेखावत की और से टीशर्ट एवं कीटस प्रदाय की जाएगी। रंगारंग आतिशबाजी के साथ बीपीएल 2.0 का आगाज होगा।

बाबूजी प्रीमियर लीग 2.0 की ओपनिंग में 10 तारीख को चार मुकाबले खेल जाएंगे। बदनावर डायनामिक्स व केटीसी ग्रुप गरडावद, स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर व बोडान 11 माकनी , कृषि उपज मंडी बदनावर व श्रीराम किकेट क्लब छोखुर्द, बालाजी किक्रेट क्लब कारोदा व प्रियदर्शनी किक्रेट क्लब चीराखान के बीच खेला जाएगा। हारने वाली टीमे बाहर होगी, वही जीतने वाली टीमों को अगले दौर के मुकाबले भी इसी दिन खेले जाएगे।

आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण- बाबूजी प्रीमियर लीग 2.0 के आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। पीच तैयार कर दी गई है। चौके छक्के हेतु बाउंड्री बन चुकी है। दर्शकों के बैठने हेतु दर्शक दीर्घा की सुविधा उपलब्ध है। बडी डिस्प्ले लगायी गई है। विधायक शेखावत के कार्यकर्ताओं की टीम व्यवस्था में लगी है। आयोजन को लेकर प्रचार प्रसार, लाइट साउंड, ग्राउंड व्यवस्था, पीच व्यवस्था, अतिथि, खेल सामग्री एवं कीट, स्वास्थ्य एवं पानी, मंच व्यवस्था सहीत 18 से अधिक टीमों का गठन किया गया है। वही नगर के किक्रेट प्रेमी खिलाडी भी अपना योगदान देते देखे गए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष प्रतिपदा 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अभियान के तहत किए जाने वाले कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान पिछले वर्ष संचालित अभियान की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई तथा जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले के तालाबों, नदियों, बावड़ियों एवं अन्य पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में किए गए सभी कार्यों (मनरेगा को छोड़कर) की प्रविष्टि भारत सरकार के जल संचय- जन भागीदारी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से की जाए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं वाटरशेड विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जल संरक्षण से जुड़े कार्य किए जाएंगे। साथ ही खेत-तालाब, अमृत सरोवरों के कार्यों को पूर्ण करने, भू-जल संवर्धन के प्रयास करने तथा प्राचीन एवं पारंपरिक जल संग्रहण संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नगरीय निकायों द्वारा नगर क्षेत्रों में जल संग्रहण संरचनाओं का संवर्धन, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने, नालों की सफाई, तालाबों एवं बावड़ियों के संरक्षण तथा हरित क्षेत्रों के विकास के कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर पौधरोपण, जागरूकता रैली, प्रतियोगिताएं एवं शैक्षणिक संस्थानों में आईईसी गतिविधियां आयोजित कर जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी तथा युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा नल-जल योजनाओं से जुड़े भू-जल स्रोतों के रिचार्ज, पेयजल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई तथा उनके संरक्षण एवं रख-रखाव से संबंधित गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद बदनावर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद बदनावर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जबरदस्त उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए नगर के कई स्थानों पर एलईडी टीवी लगाकर मैच का सीधा प्रसारण किया गया। भारत की जीत के बाद यहां पर होली के साथ पटाखे की चमक के कारण दीपावली सा अनुभव किया गया। नगर की बड़ी चौपाटी क्षेत्र में भाजपा नेता अशोक सोनी के निवास के बाहर एलईडी टीवी लगाई गई, जहां वार्डवासियों ने एकत्रित होकर पूरे उत्साह के साथ मैच का आनंद लिया। जैसे ही भारतीय टीम ने जीत दर्ज की, लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और भारत माता की जय के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा और नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर सोनी कालोनी से फोरलेन तक जुलूस के रूप में निकले। ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए लोगों ने आतिशबाजी कर भारत की जीत का भव्य जश्न मनाया। इस मौके पर ओम राठौड़, संदीप राठौर, धर्मेंद्र अग्निहोत्री, विनय पाटीदार, आशीष सोनी, कवि गोपाल कांवलिया, गौरव राठौड़ सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी ने भारतीय टीम की शानदार जीत पर एक-दूसरे को बधाई देते हुए देशभक्ति के रंग में सराबोर होकर आनंद लिए।

धधकते अंगारों पर चले मन्नतधारी, शिव मंदिर सरकारी बावड़ी पर हुई आस्था की अग्नि परीक्षा

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर में स्थित सरकारी बावड़ी पर शिव मंदिर में आस्था, विश्वास और साहस का अद्भुत संगम देखने को मिला। वर्षों पुरानी परंपरा के तहत यहां चूल का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

बुधवार को सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। सबसे पहले चूल माता की विधिवत पूजा-अर्चना पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई। हवन और धार्मिक अनुष्ठान के बाद चूल के लिए अंगारों को सजाया गया। जैसे ही अंगारे पूरी तरह धधक उठे, पूरा वातावरण बम भोले शंभू भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा।

नंगे पैर अंगारों पर उतरे श्रद्धालु इसके बाद मन्नतधारी श्रद्धालु एक-एक कर नंगे पैर धधकते, अंगारों पर उतरे। महिला, पुरुष, युवक और युवतियां हाथों में नारियल और कलश लेकर चूल में चले, मान्यता है कि सच्चे मन से चूल पर चलने से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं, रोग-व्याधियों से रक्षा करती हैं और मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।मांगीलाल अजमेरा, गोरधन सोलंकी, गोवर्धन लाल सोलंकी गोविंद प्रजापत महेश कुमावत गंगाराम सोलंकी,दिनेश लढ्ढा,बड़केश्वर महादेव भक्त मंडल, चेतन पड़ियार,पंकज काबरा,बद्रीलाल गामी, ओमप्रकाश पांचाल जिन श्रद्धालुओं की मुराद पूरी होती है, वे दोबारा मंदिर पहुंचकर अंगारों पर चलकर भोलेनाथ का आभार व्यक्त करते हैं।

चुल आयोजन समिति ने संभाली व्यवस्थाएं आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा व्यवस्थाएं संभाली गईं।

रंग पंचमी के बीच आस्था की अग्नि परीक्षा रंग पंचमी के रंगों के बीच बड़ावदा नगर में आस्था की इसअग्नि परीक्षा ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। गई 7 कुल,135, लोगो ने चूल मे भाग लिया और भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

खत्री परिवार ने किया श्याम बाबा का गुणगान

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया केवड़ाखेड़ी के प्रभारी प्राचार्य श्री विनोद कुमार खटीक के यहां बाबा श्याम का गुणगान किया गया। दामोदर धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में बाबा को बागा, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा, तथा छप्पन भोग लगाकर महाआरती की गई। महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन कर बाबा श्याम को मोहित किया गया। सभी भक्तों ने बाबा का आशीर्वाद लिया और महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर खाटूश्याम सेना ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष डॉ सुशील कुमार गेहलोत, समाजसेवी मुकेश खत्री, महिला मंडल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रचना शर्मा, नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरसिया, मुस्कान खत्री, नीलम चौरसिया, हनी गुप्ता,गोलू गुप्ता, तथा खत्री परिवार के सभी सदस्य एवं इष्ट मित्र उपस्थित थे।

मदाना में किसान संघ का स्थापन दिवस मनाया

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया सोमवार को ग्राम मदाना में ग्राम इकाई द्वारा भारतीय किसान संघ का स्थापना दिवस भी मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बलराम एवं भारत माता की पूजन-अर्चना से हुई। मुख्य अतिथि श्री सवाई सिंह सिसोदिया (जिला अध्यक्ष) रहे। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष श्री जीवन सिंह जी, जिला कार्यकारिणी सदस्य श्री भागिरथ सिंह जी, तहसील उपाध्यक्ष श्री मोर सिंह जी एवं श्री तेज सिंह जी तथा तहसील कार्यकारिणी सदस्य श्री भारत सिंह जी एवं श्री गौवर्धन सिंह जी उपस्थित रहे।स्थापना दिवस के संदर्भ में सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने किसान संघ की आवश्यकता, इसके गठन कब और कहां और कैसे हुआ पर प्रकाश डाला।इसके पश्चात तहसील कार्यकारिणी में एक और कारयकर्ता को लिया गया जिसमें तहसील प्रचार प्रमुख के दायित्व श्री रविंद्र जी ठाकुर को सौंपा गया। जिसकी घोषणा तहसील अध्यक्ष श्री जीवन सिंह जी द्वारा की गई। नव नियुक्त कार्यकर्ता श्री रविंद्र ठाकुर को तिलक, पुष्प एवं साफा पहनाकर श भारतीय किसान संघ में स्वागत किया गया है तथा उनके दायित्व की औपचारिक रूप से शुरुआत कराई गई।

ग्रीष्मकालीन जल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बारिश से पूर्व मिशन मोड में कार्य करे-कलेक्टर

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी ग्रीष्मकाल में जिले के नागरिकों को सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और गिरते भू-जल स्तर में सुधार हेतु समुचित प्रयास किए जाएँ। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान ग्रीष्मकालीन जल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। जल प्रबन्धन हेतु दिए गए निर्देश बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि गर्मी के मौसम में पानी की एक-एक बूंद का प्रबंधन अनिवार्य है। इसके लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए । ऽ हीट मैप आधारित मैपिंग - जिले के समस्त जल स्रोतों की हीट मैप के अनुसार मैपिंग की जाएगी, ताकि अधिक प्रभावित की पहचान कर वहां पहले से वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके। ऽ तकनीकी सुधार और संरचनारू स्टॉप डैम और चेक डैम पर तुरंत गेट लगाने का कार्य पूर्ण किया जाए। साथ ही, कैचमेंट एरिया के अनुरूप मेड़ बंधान का कार्य किया जाए ताकि वर्षा जल का संचयन प्रभावी हो सके। ऽ हैंडपंप और पोखर निर्माण - जिले के सभी हैंडपंपों की कलरिंग और मरम्मत के साथ-साथ, वैज्ञानिक पद्धति से वेल डिजाइन पोखर निर्माण का कार्य किया जाएगा। ऽ बावड़ियों का जीर्णोद्धार - प्राचीन जल स्रोतों जैसे बावड़ियों की साफ-सफाई और गाद निकासी का कार्य बारिश को पूर्व किया जाए। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों से अपेक्षा की है कि वे मानवीय संवेदनाओं के साथ तकनीकी रूप से इस कार्य को पूर्ण करवाएं। ऽ जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 - प्रदेशव्यापी अभियान 19 मार्च से आरंभ होगा। इस अभियान के अंतर्गत पर्यावरण और जलीय संरचनाओं के संरक्षण व संवर्धन पर गतिविधियां संचालित होंगी। इसमें जन-भागीदारी सुनिश्चित कर भू-जल स्तर सुधारने और नदियों के प्रवाह को बनाए रखने के लिए कार्य किये जाएंगे।

सुसनेर में रंगपंचमी का उमंग और उल्लास, हनुमंत रंग महोत्सव में उड़े रंग-गुलाल, ढोल-डीजे की थाप पर झूमे श्रद्धालु

पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी में सुसनेर में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ रंगपंचमी पर्व

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में रविवार को रंगपंचमी का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर में रंग और गुलाल का माहौल बन गया था। लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं और रंगों के इस त्योहार का भरपूर आनंद लिया। नगर के विभिन्न मंदिरों, चौराहों और मोहल्लों में रंगोत्सव का माहौल बना रहा। रंगपंचमी के अवसर पर सर्वप्रथम नगर के प्रसिद्ध श्री खेड़ापति हनुमान मठ मंदिर में हनुमंत रंग महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, युवा और भक्त शामिल हुए। मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति, आस्था और रंगों का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमान जी के आकर्षक श्रृंगार से हुई। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आरती की गई। आरती के दौरान भक्तों ने फूलों की वर्षा कर भगवान को गुलाल अर्पित किया और विशेष आराधना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगाते नजर आए।

आरती के पश्चात मंदिर परिसर में रंगोत्सव का दौर शुरू हुआ। डीजे और ढोल की थाप पर युवाओं और श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। रंग-गुलाल उड़ाते हुए लोगों ने एक-दूसरे को रंगपंचमी की बधाई दी और उत्सव का आनंद लिया। रंगों की बौछार और संगीत की धुनों के बीच श्रद्धालु लंबे समय तक झूमते रहे। इस अवसर पर नगर परिषद द्वारा भी विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। आयोजन स्थल पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गई, जिससे पानी की फुहारों के बीच लोगों ने रंग महोत्सव का भरपूर आनंद उठाया। पानी की बौछारों के साथ रंगों का यह नजारा लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना रहा। बच्चों और युवाओं ने भी उत्साह के साथ इस रंग महोत्सव में भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ रंगों का आनंद लिया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के बाद नगर के विभिन्न मोहल्लों और चौराहों पर भी रंगपंचमी का उल्लास देखने को मिला। सुबह से ही लोग अपने मित्रों और परिचितों के घर जाकर गुलाल लगाकर शुभकामनाएं देते नजर आए। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सभी में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। महिलाओं और युवतियों ने भी एक-दूसरे को रंग लगाकर रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं और त्योहार का आनंद लिया।

नगर के प्रमुख चौराहों और गलियों में युवाओं की टोलियां ढोल और डीजे की धुन पर नाचते-गाते नजर आईं। रंगों से सराबोर लोग पूरे दिन उत्सव के रंग में डूबे रहे। बाजार क्षेत्र में भी लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद- रंगपंचमी पर्व को लेकर नगर में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। तहसीलदार रामेश्वर दांगी एवं थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस द्वारा नगर में लगातार पेट्रोलिंग की गई और व्यवस्थाओं पर नजर रखी गई। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी और नागरिकों के सहयोग से रंगपंचमी का पर्व पूरे नगर में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जिला स्तरीय युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 11 मार्च 2026 को

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की रोजगारन्मुखी नीति के अंतर्गत बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए युवा-संगम रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिस मेले का आयोजन 11 मार्च 2026 बुधवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय आईटीआई झाबुआ में किया जा रहा है। यह आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, प्राचार्य आईटीआई महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्यो ग केन्द्र तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित औद्यो गिक कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से चयन कर युवक/युवतियों को रोजगार/अप्रेन्टिसशिप के अवसर प्रदान करेगी साथ ही मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजनान्तर्गत शासन द्वारा निर्धारित पात्रता अनुसार ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग हेतु चयन किया जाएगा।

अनुविभागीय अधिकारी ने किया सिविल हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण

HPV टीकाकरण अभियान को लेकर दिए कड़े निर्देश

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी श्री धीरेन्द्र पाराशर द्वारा सिविल हॉस्पिटल बडनगर का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें बाह्य रोग विभाग टीकाकरण हृष्ठ्ठ दवाई वितरण एक्स रे पैथोलॉजी लेब इमरजेंसी वार्ड प्रसुती वार्ड आदि का निरीक्षण किया गया तथा समस्त अधिकारी कर्मचारियों को समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये । भारत शासन द्वारा चलाये जा रहे विशेष टीकाकरण अभियान HPV के संबंध में विशेष बैठक ली जिसमें आप ने बताया की आज वैक्सीन लगवाने पर कल कैंसर से सुरक्षित रहेंगी बेटियां, इसके लिए सभी पात्र हितग्राही बालिकाओं को टीकाकरण करवाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये एवं खासकर विभाग दल बनाकर स्कूलों में हितग्राही अभिभावक व अन्य स्टाफ को HPV के लाभ के संबंध में जानकारी देने के लिए कहा गया इस असवर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ सुयश श्रीवास्वत प्रभारी बी ई श्री दिनेश कुमार पंचोली नर्सिंग ऑफिसर सुनिता सनोडिया फार्मासिस्ट कन्हैया लाल वर्फा सुश्री देवकुवर कनाश एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थिती रहें।

नारी शक्ति का अभिनंदनः महिला दिवस पर समाज की महिलाओं को मिला सम्मान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन समाज द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन एक निजी कृषि फार्म हाउस पर किया गया, जिसमें समाज की महिलाओं का सम्मान कर उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

नारी अपने जीवन में माँ, बहन, बेटी और पत्नी जैसे अनेक रूपों में पारिवारिक संबंधों का निर्वहन करती है। एक गृहिणी के रूप में वह न केवल परिवार बल्कि समाज और राष्ट्र को संस्कारों एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिस परिवार और समाज में नारी का सम्मान होता है, वह निरंतर प्रगति के नए सोपान प्राप्त करता है। इसी भावना के साथ समाज की विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में साधना मोदी, रेखा लुहाड़िया, वीना मोदी, मंजू जैन, संगीता अजमेरा, सुप्रिया जैन, निधि जैन, प्रणिता गोधा एवं एलिश लुहाड़िया को सम्मानित कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती पदमा जी बज एवं श्रीमती आशा जी गंगवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावशाली संयोजन श्रीमती शालिनी पाटोदी द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि समाज की प्रत्येक महिला अपने-अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है—कोई शिक्षिका के रूप में ज्ञान दे रही है, कोई अपना व्यवसाय या दुकान संचालित कर रही है, कोई सिलाई के माध्यम से परिवार की आय में सहयोग कर रही है, कोई डॉक्टर के रूप में समाज को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रही है, तो कई महिलाएँ गृहिणी के रूप में परिवार को संस्कार और दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पतियों ने भी अपनी जीवन संगिनी के महत्व को स्वीकार करते हुए अपने विचार व्यक्त किए, जिससे आयोजन का वातावरण भावनात्मक, मधुर और प्रेरणादायक बन गया। अंत में सभी ने महिला शक्ति के सम्मान और समाज में उनके योगदान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गर्मी से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव तथा रोगों से बचाव एवं उपचार हेतु एडवाईजरी जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव तथा रोगो से बचाव एवं उपचार हेतु एडवाईजरी जारी की गई है जिसमें अधिक तापमान एवं गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु उपाय सुझाएं गए है ताकि गर्म हवा से होने वाली समस्या तथा जटिलताओं का समय पर पहचान एवं इलाज करते हुए रोगों तथा मृत्यु का कम किया जा सके। आमजन को जागरूक व सही जानकारी से अवगत कराने के उद्देश्य से एडवाईजरी जारी।

लू लगना शरीर की वह अवस्था है जिसमे गर्मी के कारण शरीर का तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियय के पास पहुंच जाता है और मन में उलझन की स्थिति रहती है। यह स्थिति एकाएक आ सकती है या धीरे-धीरे हो सकती है। लू के लक्षण तेज बुखार के साथ मुंह का सुखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना, सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, अधिक प्यास लगना और पैशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना।

लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यता नमक की कमी हो जाना होता है। इससे बचाव के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिये- पानी अधिक मात्रा में पीये, अधिक समय तक धूप में न रहें, बहुत अनिवार्य हो तो ही घर से बाहर जायें, बच्चे बुजुर्ग एवं बीमार व्यक्ति घर से बाहर कम निकले, विशेषतः दोपहर में 12 से 04 बजे के मध्य घर से बाहर ना जाऐ, धूप में निकलने से पहले सर एवं कानों को कपडे से अच्छी तरह से ढक ले, गर्मी के दौरान नरम, मुलायम, सूती हल्के ढीले-ढाले सूती वस्त्र पहनना तथा धूप में चश्मा, छाता, टोपी एवं जूता पहन कर घर से निकले, अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ. आर. एस. घोल, लस्सी, मटठा एवं फलों का रस पीये जिससे शरीर में मिनेरल्स की कमी न होने दे, गरिष्ठ एवं मसालेदार भोजन से बचे, चक्कर आने, मितली आने पर छाया दार स्थान पर आराम करें तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मटठा आदि का सेवन करें।

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने तथा ग्रेडिंग मंथ के अंतर्गत शत-प्रतिशत शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि अभियान के अंतर्गत अब तक जिले में कुल 80,816 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकांश का निराकरण किया जा चुका है तथा 6,670 आवेदन निराकरण हेतु शेष हैं। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत चिन्हित 106 सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए विभागों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों की तैयारियों के संबंध में प्रत्येक जनपद पंचायत के सीईओ से चर्चा की तथा एसडीएम को शिविरों के प्रभावी क्रियान्वयन में नेतृत्व करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व वसूली समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व बकायदारों की सूची संधारित कर उन्हें नोटिस जारी करने तथा कैंप आयोजित कर राजस्व वसूली का कार्य गति देने के लिए कहा।

बैठक में डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की समीक्षा करते हुए लक्षित 10 प्रकरणों की स्वीकृति प्रदान कर शीघ्र वितरण करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार पीएमएफएमई योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मार्च माह समाप्त होने से पूर्व शत-प्रतिशत प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने रबी उपार्जन के अंतर्गत किसानों के पंजीयन की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष 5,307 पंजीयन के मुकाबले इस वर्ष 6,283 किसानों ने पंजीयन कराया है। कलेक्टर ने पंजीयन के सत्यापन तथा उपार्जन केंद्रों के सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में लंबित पेंशन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि 7 प्रकरण न्यायालयीन, 8 प्रकरण विभागीय जांच तथा 5 प्रकरण लोकायुक्त में होने के कारण लंबित हैं। इसके अतिरिक्त 9 अन्य लंबित प्रकरणों की विभागवार जानकारी प्राप्त कर उनके निराकरण के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बैठक में जानकारी दी गई कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु जिले मंन 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। यह टीकाकरण शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है तथा अभिभावकों की सहमति के पश्चात बालिकाओं को टीका लगाया जाएगा। अभियान के दौरान अधिक से अधिक पात्र बालिकाओं तक टीकाकरण पहुँचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

कलेक्टर ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षयसिंह मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एवं मेघनगर, डिप्टी कलेक्टर्स सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सत्य साईं कान्वेंट स्कूल की छात्राओं ने लिया भाग

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया राजगढ़ में आयोजित जिला स्तरीय खो खो पारंपरिक खेल महोत्सव में सारंगपुर की टीम विजेता रही जिसमें श्री सत्य साईं कान्वेंट स्कूल की तीन छात्राओं ने भाग लिया शीतल सोलंकी पिता लाल सिंह सोलंकी प्रियांशी विश्वकर्मा पिता दीपक कुमार विश्वकर्मा आशा पुष्पद पिता मुकेश पुष्पद इन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया जिले के सांसद महोदय एवं आदरणीय कलेक्टर साहब द्वारा प्रथम पुरस्कार 21 000 हजार रुपए देकर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया और साथ ही शीतल सोलंकी सोलंकी ने 100 मी रेस में भाग लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय के डायरेक्टर श्री विष्णु सिंह जी सिसोदिया प्रधानाचार्य श्री केदार जी गोवेकर उप प्रधानाचार्य किरण जी जोशी तथा राजगढ़ खो खो संघ के सचिव भारत जी भैरवे एवं कोच देव गिरजे मोहित माथुर और स्कूल के सभी शिक्षकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सोमवार को 304 किशोरियों को लगाये गए एचपीवी के टीके

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान तहत 14 वर्ष पूर्ण और 15 वर्ष से कम उम्र की किशोरियों को एचपीवी व्हेक्सीन के टीके लगाये जा रहे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ओ.पी.जुगतावत ने बताया कि जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग तथा अन्य विभाग के सहयोग से सोमवार को इस आयु वर्ग की 304 किशोरियों को एचपीवी के टीकें लगाए गये। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण जिलें की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जा रहा है, जिनमें जिला चिकित्सालय खण्डवा, सिविल हॉस्पिटल ओकारेश्वर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पंधाना, छैगांवमाखन, मूंदी, खालवा, किल्लौद, हरसूद, पुनासा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिहाड़ा, सहेजला, जावर, बीड़, पुरनी, जामकोटा, रिछफल, गोल, सुलगांल, बोराडीमाल, बरुड, चिचगोहन, धनगांव, कालंका, दीवाल, घाटाखेड़ी, आरुद, बोरगांवबुजुर्ग, कोहदड़, गांधवा, सिंगोट, पिपलोद, गुड़ी, रोशनी, सेंधवाल, खार, आशापुर, गुलाई, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर, संजगनगर, संजीवनी क्लिनिक गणेशतलाई शामिल है। टीके लगाकर सभी किशोरियों को प्रमाण पत्र भी दिये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में 13 मार्च को लाड़ली बहना सम्मेलन प्रस्तावित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में घाटीगाँव में प्रस्तावित लाड़ली बहना सम्मेलन एवं विकास कार्यों के लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों की अंतरविभागीय समन्वय बैठक में समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दें। आयोजन स्थल पर लाड़ली बहनाओं सहित सभी प्रतिभागियों के बैठने के लिये बेहतर से बेहतर व्यवस्था करें। साथ ही पेयजल की भी पुख्ता व्यवस्था की जाए। जिन कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण होना है, उनकी सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिए गए।

सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में सीएम हैल्पलाइन, समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की तैयारी, निर्माणाधीन सांदीपनि स्कूल व अन्य स्कूल भवन, जनगणना की तैयारी, संकल्प से समाधान, सहकारी बैंकों की वसूली व पुस्तक मेला सहित शासन की प्राथमिकता वाले अन्य कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत व अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद सहित जिले के सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले के सभी एसडीएम सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से लें। एसडीएम व्यक्तिगत रुचि लेकर अधीनस्थ अमले के माध्यम से राजस्व विभाग से संबंधित सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हैल्पलाइन की पुरानी शिकायतों के निराकरण के प्रति उदासीन तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों का 5 ङ्क 5 दिन का वेतन काटने के लिये नोटिस जारी करें। साथ ही अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद को अगले 4 सोमवार को भितरवार में बैठक लेकर शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिए हैं। अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने रबी उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि जिले के सभी उपार्जन (खरीदी) केन्द्रों पर किसानों के लिये पुख्ता बुनियादी सुविधायें जुटाएं। हर केन्द्र पर छाया, पेयजल व किसानों के बैठने के लिये बेहतर व्यवस्था रहे। उन्होंने सभी एसडीएम को भी निर्देश दिए कि शेष गेहूँ उत्पादक किसानों का पंजीयन कराने के लिये क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगणों से संपर्क कर उनका सहयोग लें।

शहरी क्षेत्र झाबुआ में ट्रक/भारवाहक वाहनों के प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला झाबुआ नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ श्री चंदरसिंह सोलंकी ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्गों पर ट्रक/भारवाहक वाहनों के झाबुआ शहर में प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया।

स्थान एवं प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 07ः00 बजे से रात्रि 08ः00 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिसमें भोयरा रोड़ अमृत आर ओ वाटर प्लांट- कुंदनपुर व पिटोल से आने वाले भारी वाहन, करड़ावद हनुमान मंदिर- गुजरात दाहोद, पिटोल, थान्दला व मेघनगर मार्ग से आने वाले भारी वाहन, रंगपुरा अंडर ब्रिज हाईवे- कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, रतलाम व बदनावर मार्ग से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन, पारा फाटा झाबुआ- कालीदेवी, सरदारपुर, धार व इंदौर से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन एवं राणापुर रोड पर महर्षि त्रिपुरा नर्सिंग कॉलेज तिराहा- राणापुर, जोबट, आलीराजपुर, बड़वानी व छोटा उदयपुर (गुजरात) से आने वाले भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि शहरी क्षेत्र झाबुआ में भारी वाहनों के कारण दुर्घटना होना पाया गया हैं। कस्बा झाबुआ में भारी वाहनों के कारण जाम लगना, आम जनता एवं स्कूल के बच्चों की जान का खतरा बना रहता है। शहर में वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के उद्देश्य से प्रातः 07ः00 बजे से रात्रि 08ः00 बजे तक कस्बा झाबुआ (शहरी क्षेत्र झाबुआ) में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया गया है।

यह प्रतिबन्ध केवल भारवाहनों के लिए लागू है। शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप गतिसीमा अधिकतम 40 कि.मी. प्रति घण्टा तथा दोपहिया वाहन यथावत पूर्ववत् आवागमन कर सकेंगे। आपातकालीन एवं मूलभूत सुविधाओं में संलग्न वाहन जैसे फायरब्रिग्रेड, नगर निगम की सेवाओं में लगे वाहन, पुलिस वाहन, सेना के वाहन, विद्युत मण्डल के कार्य में संलग्न वाहन, कृषि उपज मण्डी में लगे वाहन, यात्री बसें, स्कूल वाहन/बसें, दुग्धवाहन, पेट्रोल, डीजल, कैरोसीन, एलपीजी गैस जो शहर के भीतर ही स्थित प्रतिष्ठानों पर लोडिंग-अनलोडिंग करेंगे, को प्रतिबंधित समय में शहरी क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति होगी साथ ही उक्त भारी वाहनों के लिए शहरी क्षेत्र में गतिसीमा अधिकतम 20 कि.मी. प्रतिघण्टा रहेगी। किसी विशेष भारी वाहन को विशेष परिस्थितियों में शहर में प्रवेश की अनुमति अपर जिला मजिस्ट्रेट झाबुआ द्वारा दी जा सकेगी।

प्रतिबंधित घोषित किये गये क्षेत्र में मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 116 के अन्तर्गत नियमों का पालन कराये जाने हेतु उक्त मार्गों के प्रवेश स्थान पर आवश्यक सूचना एवं समुचित यातायात चिन्ह लगवाये जाये। आदेश का क्रियान्वयन यातायात पुलिस की तैनाती करते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को रोका जाए। उक्त आदेश 08 मार्च 2026 से 08 अप्रैल 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

नीति आयोग की प्रतिनिधि ने आकांक्षी विकासखंडों का किया निरीक्षण, योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति देखी

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग, भारत सरकार की प्रतिनिधि सुश्री संजना अग्रवाल ने शुक्रवार को संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत आकांक्षी विकासखंड झिरन्या एवं भगवानपुरा का क्षेत्रीय भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मिलिन्द कुमार नागदेवे के निर्देशन में प्रतिनिधि दल ने अभियान के अंतर्गत निर्धारित प्रमुख संकेतकों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान पोषण आहार वितरण, ग्रोथ मॉनिटरिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण व्यवस्था, आंगनवाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाएं तथा पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

तकनीकी सहायक श्री नीरज अमझरे ने बताया कि भ्रमण के दौरान झिरन्या विकासखंड के अंबाडोचर आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया, जहां बच्चों को प्रदान किए जा रहे पोषण आहार वितरण, ग्रोथ मॉनिटरिंग एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया गया। इसके पश्चात हेलापडावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण व्यवस्था तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

तत्पश्चात भगवानपुरा विकासखंड के मोहनपुरा हाट बाजार में जिले के नवाचार ÷चिकित्सक आपके द्वार÷ कार्यक्रम का अवलोकन कर ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई।

सुसनेर अभिभाषक संघ का निर्णय, एसडीएम कार्यालय के सामने होगा क्रमिक धरना

जनसुनवाई में देंगे आंदोलन की सूचना, 11 मार्च से शुरू होगा धरना

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुभाग में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) की कार्यप्रणाली को लेकर अभिभाषक संघ में नाराजगी देखी जा रही है। इस संबंध में सोमवार को अभिभाषक संघ की एक आवश्यक बैठक अभिभाषक सभागार में आयोजित की गई। जिसमें संघ के सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आंदोलन का निर्णय लिया।

अभिभाषक संघ अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि एसडीएम की कार्यप्रणाली को लेकर अधिवक्ता वर्ग में लंबे समय से असंतोष बना हुआ है।

इस विषय में पहले भी प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि 13 फरवरी 2026 को भी अभिभाषक संघ द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर एसडीएम न्यायालय के बहिष्कार का निर्णय लिया गया था।

अध्यक्ष चौहान ने बताया कि इसके बाद सुसनेर और नलखेड़ा अभिभाषक संघ का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल जिला मुख्यालय आगर मालवा पहुंचा था। जहां जिला कलेक्टर से मिलकर एसडीएम की कार्यप्रणाली के संबंध में शिकायत की गई थी और मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की गई थी।

उन्होंने कहा कि एसडीएम की कार्यशैली के कारण अधिवक्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मामलों में समय पर सुनवाई नहीं होने से लोगों को अनावश्यक दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। अध्यक्ष के अनुसार अभिभाषक संघ ने निर्णय लिया है कि 10 मार्च को सुसनेर और नलखेड़ा अभिभाषक संघ के प्रतिनिधि जिला मुख्यालय आगर मालवा में आयोजित जनसुनवाई में शामिल होकर कलेक्टर को आंदोलन की औपचारिक सूचना देंगे। इसके बाद 11 मार्च 2026 से सुसनेर स्थित एसडीएम कार्यालय के सामने क्रमिक धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि धरना शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा और जब तक इस मामले में प्रशासन द्वारा उचित निर्णय नहीं लिया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कोटपा कानून के अनुपालन सर्वेक्षण की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा तम्बाकू के बढ़ते उपयोग को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध, व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003 (कोटपा कानून) लागू किया गया है। इसी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए झाबुआ जिले में जिला प्रशासन के नेतृत्व में विभिन्न विभागों द्वारा समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कोटपा कानून के अंतर्गत किए गए अनुपालन सर्वेक्षण के परिणामों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले को तम्बाकू नियंत्रण कानून सम्मत बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं मध्य प्रदेश वॉलन्ट्री हेल्थ एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक पहल की गई है।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 4, 5, 6 एवं 7 के पालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विभिन्न समुदाय आधारित गतिविधियों के माध्यम से आमजन को तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कानून के उल्लंघन की स्थिति में कार्यवाही के लिए प्रवर्तन दलों का गठन किया गया तथा जिला तम्बाकू नियंत्रण समिति भी बनाई गई।

जिले में अधिनियम के अनुपालन का आकलन करने के लिए अंतिम अनुपालन मूल्यांकन (सर्वेक्षण) किया गया, जो कि जिले के 6 विकासखंडों में बाहरी एवं स्वतंत्र संस्था इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क द्वारा संपन्न कराया गया। सर्वेक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों तथा तम्बाकू उत्पाद विक्रय करने वाली दुकानों पर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के पालन की स्थिति का परीक्षण किया गया। सर्वेक्षण के अंतर्गत 735 सार्वजनिक संस्थानों तथा 178 तम्बाकू उत्पाद की दुकानों का निरीक्षण किया गया। सार्वजनिक संस्थानों में कार्यालय, होटल, भोजनालय, शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल रहे।

इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर यह निष्कर्ष सामने आया है कि झाबुआ जिले ने 80 प्रतिशत से अधिक स्कोर प्राप्त करते हुए धारा 4, 5 एवं 7 का प्रभावी रूप से पालन सुनिश्चित किया है, जिसके आधार पर जिले को इन धाराओं के अंतर्गत तम्बाकू नियंत्रण कानून सम्मत पाया गया है। जिसके तहत कलेक्टर को अध्यक्षता में जिले में उल्लेखनीय कार्यों के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्षों के अनुसार धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध संबंधी सूचना पटल की उपस्थिति 80.27 प्रतिशत पाई गई, वहीं सक्रिय धूम्रपान करने वालों की अनुपस्थिति 93.46 प्रतिशत दर्ज की गई। धूम्रपान को बढ़ावा देने वाली सामग्री जैसे ऐश ट्रे की अनुपस्थिति 96.32 प्रतिशत तथा धूम्रपान की गंध की अनुपस्थिति 91.56 प्रतिशत पाई गई।

धारा 5 के अंतर्गत तम्बाकू उत्पादों की दुकानों के बाहर विज्ञापन की अनुपस्थिति 89.30 प्रतिशत दर्ज की गई। धारा 6ए के अंतर्गत नाबालिगों को तम्बाकू उत्पाद की बिक्री की अनुपस्थिति 90.40 प्रतिशत तथा नाबालिगों द्वारा बिक्री की अनुपस्थिति 95.50 प्रतिशत पाई गई। धारा 6बी के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों में निर्धारित सूचना पटल की उपस्थिति 73 प्रतिशत तथा 100 गज के दायरे में तम्बाकू दुकानों की अनुपस्थिति 62.20 प्रतिशत पाई गई। धारा 7 के अंतर्गत तम्बाकू उत्पादों पर चित्रात्मक स्वास्थ्य चेतावनियों की उपस्थिति 100 प्रतिशत तथा नई चित्रात्मक चेतावनियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत पाई गई।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में जिले में तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 4, 5, 6 एवं 7 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक आदेश जारी किए जा चुके हैं तथा प्रवर्तन तंत्र भी स्थापित कर दिया गया है।

विकसित भारत का प्रतिबिम्ब - नीमच के शिल्पकार ने जूट और प्राकृतिक रंगों से उकेरी प्रधानमंत्री जी की ममतामयी छवि

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के आह्वान ने देश के सुदूर गांवों में छिपी प्रतिभाओं को एक नई वैश्विक पहचान दी है। इसका एक अनुपम उदाहरण मध्य प्रदेश के नीमच जिले के कुंचड़ोद गाँव में देखने को मिला है। यहाँ एक उभरते शिल्पकार, राहुल कुमार लोहार ने जूट की बोरी और प्रकृति प्रदत्त रंगों के माध्यम से प्रधानमंत्री जी और उनकी पूज्य माताजी की एक कलाकृति तैयार की हैं। यह कलाकृति पीएम विश्वकर्मा योजना के उन दूरदर्शी लक्ष्यों को चरितार्थ करती है, जहाँ पारंपरिक हुनर को आधुनिक संकल्पों से जोड़ा जा रहा हैं।

पारंपरिक कौशल और सरकारी योजनाओं का सफल समन्वय-राहुल लोहार की यह कलाकृति सिद्ध करती है कि जब सरकारी योजनाओं का विजन और जमीन से जुड़े कलाकार का हुनर आपस में मिलते हैं, तो परिणाम असाधारण होते हैं। इस निर्माण में शून्य प्लास्टिक और शून्य सिंथेटिक सामग्री का संकल्प लेकर कलाकार ने पर्यावरण संरक्षण का भी बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने आधार के रूप में जूट (टाट) का चयन किया और उस पर ग्रामीण भारत की प्राचीन लिपाई पद्धति (गोबर, पीली मिट्टी और मेथी चूर्ण का मिश्रण) का प्रयोग किया। यह प्रयास दर्शाता है कि कैसे पीएम विश्वकर्मा समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित रखते हुए देश की विकास यात्रा में भागीदार बन रहा हैं।

प्रकृति की गोद से सृजित स्वदेशी रंग- इस चित्र की सबसे बड़ी विशेषता इसकी इको-फ्रेंडली तकनीक और स्वदेशी संसाधनों का उपयोग हैं। राहुल ने रासायनिक रंगों के स्थान पर प्रकृति से सीधे प्राप्त रंगों का चयन कर लोकल संसाधनों की महत्ता बताई हैः-

केसरिया व लालः- केवड़े के फूलों के अर्क से तैयार किए गए।

स्वर्णिम पीलाः- पियावड़ी पत्थर और मिट्टी के प्राकृतिक मिश्रण से।

काला व सफेदः- लकड़ी के कोयले और चूना पत्थर के बारीक पाउडर से।

स्थायित्वः- प्राकृतिक गोंद के माध्यम से इन जैविक रंगों को सहेजा गया है।

हुनर को सम्मानः- आत्मनिर्भरता का नया अध्याय।

यह कलाकृति केवल एक चित्र नहीं, बल्कि पीएम विश्वकर्मा योजना की सफलता का एक जीवंत प्रमाण है। यह इस बात का प्रतीक है कि योजना के अंतर्गत मिल रहे प्रोत्साहन से ग्रामीण शिल्पकार अब अपने पारंपरिक संसाधनों के साथ भी राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं। शिल्पकार राहुल कुमार लोहार का कहना है, ÷प्रधानमंत्री जी ने हम जैसे पारंपरिक कारीगरों को विश्वकर्मा की संज्ञा देकर जो सम्मान दिया है, उसी गौरव ने हमें कुछ नया और स्वदेशी करने की प्रेरणा दी है। यह कलाकृति उसी आत्मनिर्भर संकल्प और शिल्पकारों के प्रति उनके सम्मान के प्रति मेरी एक छोटी सी भेंट है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सड़क चौड़ीकरण पर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, नगर निगम घेरकर धरने पर बैठे कार्यकर्ता

मुआवजे और सड़क की चौड़ाई को लेकर सौंपा ज्ञापन, पिपलीनाका व एमआर-4 क्षेत्र में बाजार मूल्य से दोगुना मुआवजा देने की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण और प्रभावित लोगों को मुआवजा नहीं मिलने के मुद्दे पर सोमवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने नगर निगम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष के साथ कांग्रेस पार्षदों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मजदूर संघ कार्यालय से नगर निगम तक पैदल मार्च निकालकर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हाथों में तख्तियां लिए कांग्रेसजन नगर निगम मुख्य द्वार तक पहुंचे और विरोध स्वरूप वहीं जमीन पर बैठकर धरना दे दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर गरीबों और व्यापारियों के साथ अन्याय किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी।

मुआवजा और सड़क चौड़ाई को लेकर सौंपा ज्ञापन - प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने निगमायुक्त के नाम एक ज्ञापन सौंपकर शहर के नागरिकों के हित में कई मांगें उठाई। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने बताया कि ज्ञापन में पिपलीनाका और गढ़कालिका मार्ग की चौड़ाई 80 फीट तथा एम.आर.-4 मार्ग की चौड़ाई 60 फीट करने की मांग की गई। इसके अलावा महाकाल, पटनी बाजार और गोपाल मंदिर मार्ग के व्यापारियों द्वारा सड़क चौड़ीकरण को लेकर उठाई जा रही मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया गया।

कांग्रेस ने विकास योजना 2035 के अनुरूप सड़कों की चौड़ाई तय करने तथा अनावश्यक रूप से अधिक चौड़ीकरण से बचने की बात भी कही। साथ ही नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 305 और 306 के तहत सभी प्रभावित नागरिकों को उचित क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सिंहस्थ 2004 और 2016 के दौरान हुए चौड़ीकरण कार्यों में प्रभावितों को मुआवजा दिया गया था। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी और महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति भी मुआवजा दे रही है, लेकिन नगर निगम अधिनियम में प्रावधान होने के बावजूद निगम प्रशासन मुआवजा देने से बच रहा है।

इसके अलावा कांग्रेस पार्षदों ने अलग से एक पत्र देकर अपने-अपने वार्डों में लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र स्वीकृति देने तथा शहर में पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों और कचरा वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी रखी।

'विकास चाहिए, लेकिन अन्याय नहीं'- धरने को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि सरकार विकास के नाम पर गरीबों और छोटे व्यापारियों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने मांग की कि पिपलीनाका और एमआर-4 क्षेत्र में प्रभावित परिवारों को बाजार मूल्य से दोगुना मुआवजा दिया जाए। भाटी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विकास कार्यों की विरोधी नहीं है, लेकिन यदि आम नागरिकों के साथ अन्याय होगा तो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी।

विधायक पर भी साधा निशाना- प्रदर्शन के दौरान भाटी ने उज्जैन उत्तर के विधायक पर भी निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधियों का अपने पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है, जिनका जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित नागरिक के साथ मजबूती से खड़ी है। धरने को नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय ने भी संबोधित किया। पार्षद सपना सांखला ने भी अपने विचार रखते हुए प्रभावित नागरिकों के साथ न्याय की मांग की। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान सिंह चंदेल ने किया।

प्रदर्शन में सोनिया ठाकुर, पूर्णिमा पाण्डे सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को सहकारी समितियों से जोड़कर लाभ दिलाया जाए - श्री बंसल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री पंकज कुमार बंसल ने सोमवार को जिला सहकारी विकास समिति (डीसीडीसी) की बैठक ली। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के माध्यम से जिले में सहकारिता के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में अतिरिक्त सचिव श्री बंसल के निर्देश दिए कि जिले में सरकारी दुग्ध समिति, मत्स्य समितियों का अधिक से अधिक पंजीयन करा कर दुग्ध उत्पादन करने वाले किसान और मछली उत्पादन में जुड़े लोगों को लाभ दिलाया जाए। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री श्रेयांस कूमट भी मौजूद थे।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर सभागार में सोमवार को भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री पंकज कुमार बंसल ने जिला सहकारी विकास समिति की बैठक ली।

शिवपुरी से फरार हत्या में शामिल महिला उज्जैन से पकड़ाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिवपुरी में 3 माह पहले हुई शिक्षक की हत्या के मामले में फरार चल रही 20 हजार की इनामी महिला आरोपी को शनिवार-रविवार रात देवासगेट थाना पुलिस ने पकड़ा। आरोपी महिला के साथ उसका बेटा भी था। दोनों को शिवपुरी पुलिस के सुपुर्द किया गया है। देवासगेट थाना प्रभारी अनिला पाराशर ने बताया कि रंगपंचमी की पूर्व रात 12 बजे बाद क्षेत्र में टीम के साथ सर्चिंग की जा रही थी और दुकानों को बंद कराया जा रहा था। इस दौरान बस स्टेंड परिसर में सर्चिंग के दौरान एक महिला और युवक पुलिस को देख बचकर निकलने का प्रयास करने लगे। दोनों पर संदेह हुआ और उन्हे रोका गया, पूछताछ करने पर महिला बरगलाने लगी। वह अपना नाम अलग-अलग बता रही थी। शंका होने पर महिला और उसके साथ युवक को थाने लाया गया। महिला ने उसके साथ युवक को अपना बेटा होना बताया, वह भी पुलिस को देख काफी घबरा रहा था। महिला से सही नाम पता पूछताछ गया तो वह शिवपुरी के ऊमरीकला भोती की रहने वाली सविता पति मुरारी लोधी होना सामने आई। दोनों के संबंध में जानकारी जुटाने के लिये शिवपुरी पुलिस से संपर्क किया गया तो सामने आया कि उक्त महिला हत्या के मामले में 3 माह से फरार है। जिसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार का इनाम घोषित है। फरार महिला के हिरासत में आने की जानकारी शिवपुरी पुलिस को दी गई। रविवार सुबह शिवपुरी पुलिस उज्जैन पहुंची और गिरफ्त में आई हत्या की फरार आरोपिया और उसके बेटे का साथ ले गई।

घायल वृद्ध की हुई मौत, हत्या में बदलेगा मामला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 80 साल के बुजुर्ग के साथ पड़ोसी द्वारा मारपीट की गई थी। घायल वृद्ध को उज्जैन से उपचार के लिये इंदौर ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उपचार के बाद घर ले जाने की सलाह दी थी। रविवार दोपहर को वृद्ध की मौत हो गई। सोमवार सुबह पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया।

भैरवगढ़ क्षेत्र के ग्राम सोडंग में रहने वाले गोपाल पिता पूना परमार 80 साल के साथ 5 मार्च को देर शाम पड़ोस में रहने वाले कमल ने शराब के नशे में बुरी तरह मारपीट की थी। कमल ने सीने पर बैठ मुक्के मारे थे। बुजुर्ग गंभीर घायल हो गया था। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां से उपचार के लिये इंदौर ले जाया गया था। लेकिन डॉक्टरों ने एक दिन उपचार के बाद परिवार को घर पर ही सेवा करने की बात कहकर छुट्टी दे दी थी। परिवार उन्हे घर ले आया था। इस बीच रविवार दोपहर गोपाल परमार की मौत हो गई। परिवार ने बुजुर्ग की मौत होने की सूचना भैरवगढ़ थाना पुलिस को दी। पुलिस पूर्व में मारपीट का मामला दर्ज कर चुकी थी। मौत होने पर मर्ग कायम किया गया और शाम को शव पोस्टमार्टम के लिये चरक अस्पताल लाया गया। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है । रिपोर्ट मिलने पर मारपीट के मामले में हत्या की धारा बढ़ाई जायेगी।

कार निकालने की बात पर तुलाहेड़ा टोल पर तोड़फोड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार निकालने की बात पर तुलाहेड़ा टोल नाके पर रविवार सोमवार विवाद हो गया। टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट कर तोड़फोड़ की गई। कर्मचारियों ने भी विवाद करने वालों के साथ मारपीट कर चोट पहुंचाई।

घटिया तहसील की पानबिहार चौकी अंतर्गत ग्राम तुलाहेड़ा में टोल प्लाजा बना हुआ है। जहां रविवार शाम कार निकालने की बात पर मोहन सिंह चौहान निवासी पिपलियाहामा और उसके साथी देवेंद्र राठौड का विवाद टोल कर्मचारियों से हो गया। दोनों आलोट जा रहे थे। मोहन सिंह चौहान करनी सेना से जुड़ा हुआ है जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर टोल कर्मी दिलीप सिंह, कुलदीप सिंह और नीरज शर्मा से मारपीट की कर्मचारियों ने भी मोहन सिंह को पीट दिया। मामला थाने पहुंचने पर पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया। लेकिन रात में मोहन सिंह से जुड़े आधा दर्जन से अधिक युवक मुंह पर नकाब बांधकर टोल पहुंचे और तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस मौके पर पहुंचती उससे पहले तोड़फोड़ करने वाले भाग निकले। टोल कर्मचारी सचिन पटेल ने तोड़फोड़ करने आए युवकों के जैथल टेक से आने की बात कही और सचिन तोमर, रोहित चौधरी, अरुण बैरागी, गोपाल चौधरी सहित अन्य के खिलाफ तोड़फोड़ का प्रकरण दर्ज कराया। घटिया थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया मामले में दो क्रॉस प्रकरण और एक तोड़फोड़ का प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है दोनों पक्ष के लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

होलाष्टक समाप्त... फिर शुरू होंगे शुभ कार्य, 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ

मार्च में विवाह के पांच ही मुहूर्त, 15 मार्च से खरमास की शुरुआत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली के बाद समाप्त हुए होलाष्टक के साथ ही अब शहर में फिर से शुभ कार्यों की शुरुआत हो गई है। होलाष्टक के दौरान विवाह और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते, लेकिन इसकी समाप्ति के साथ ही शादियों की तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के कई होटल और गार्डन में विवाह समारोहों की बुकिंग और तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार मार्च महीने में विवाह के लिए कुल पांच ही शुभ मुहूर्त उपलब्ध हैं। इसके बाद 15 मार्च से खरमास शुरू हो जाएगा, जिसके चलते मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। वहीं अप्रैल माह में विवाह के आठ शुभ मुहूर्त बताए जा रहे हैं।

इसी बीच इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पर्व 19 मार्च से प्रारंभ होगा। यह पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है और नौ दिनों तक माता दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। इस बार नवरात्रि का समापन 27 मार्च को होगा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार नवरात्रि के पहले दिन घरों और मंदिरों में घटस्थापना या कलश स्थापना की जाती है। द्रिक पंचांग के अनुसार इस बार प्रतिपदा तिथि 19 मार्च की सुबह 6 बजकर 52 मिनट से शुरू होकर 20 मार्च की सुबह 4 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। इसी के आधार पर नवरात्रि का शुभारंभ 19 मार्च को ही माना जाएगा। ज्योतिष गणना के अनुसार घटस्थापना का शुभ मुहूर्त 19 मार्च को सुबह 6 बजकर 52 मिनट से लेकर 7 बजकर 43 मिनट तक रहेगा। यदि किसी कारणवश इस समय में स्थापना नहीं हो पाती है, तो अभिजीत मुहूर्त में भी घटस्थापना की जा सकती है। यह मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा।

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार हर दिन देवी अलग-अलग वाहन पर सवार होकर आती हैं और उसी आधार पर आने वाले समय के शुभ-अशुभ संकेत भी देखे जाते हैं। इस बार माता दुर्गा का आगमन पालकी पर और विदाई हाथी पर होना बताया जा रहा है। धार्मिक आस्था और उत्साह के इस पर्व को लेकर मंदिरों और घरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालु नौ दिनों तक व्रत रखकर माता की आराधना करेंगे और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना व आयोजन भी किए जाएंगे।

एवरेज बिलिंग से उपभोक्ता परेशान, कई जगह बिना मीटर रीडिंग के भेजे जा रहे हजारों के बिजली बिल

मीटर रीडिंग नहीं होने से बढ़ी शिकायतें, उज्जैन के नौ जोन कार्यालयों में रोज लग रही उपभोक्ताओं की भीड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बिजली उपभोक्ताओं को हर महीने एवरेज के आधार पर बिजली बिल भेजे जाने से परेशानी बढ़ती जा रही है। बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को बिना मीटर रीडिंग के ही हजारों रुपये के बिल थमा दिए जा रहे हैं। इस कारण उपभोक्ताओं को बिल सुधार कराने के लिए बिजली कंपनी के जोन कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार उज्जैन शहर में बिजली व्यवस्था नौ जोन के माध्यम से संचालित होती है। इन सभी जोनों में इन दिनों एवरेज बिलिंग को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि उनके घरों पर मीटर रीडिंग लेने कोई कर्मचारी नहीं पहुंचता, इसके बावजूद अनुमान के आधार पर बिल भेज दिए जाते हैं। कई मामलों में सामान्य खपत से कहीं अधिक राशि के बिल उपभोक्ताओं को मिल रहे हैं। बताया जा रहा है कि शहर में करीब 1 लाख 28 हजार घरेलू और

व्यावसायिक बिजली उपभोक्ता हैं। इन उपभोक्ताओं के यहां मीटर रीडिंग लेने के लिए करीब 150 से अधिक मीटर रीडर तैनात हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग नहीं हो पा रही है। कई मीटर रीडर घर बैठे ही अनुमान के आधार पर रीडिंग दर्ज कर रहे हैं, जिससे एवरेज बिलिंग के मामले बढ़ रहे हैं।

उधर बिजली कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि उपभोक्ताओं को परेशान नहीं होना चाहिए और एवरेज बिलिंग की शिकायतों का समाधान किया जाएगा। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश भी दिए हैं कि मीटर रीडिंग नियमित रूप से की जाए और उपभोक्ताओं को सही बिल भेजे जाएं।

हालांकि जमीनी स्तर पर स्थिति अलग दिखाई दे रही है। बिल में गड़बड़ी सुधाराने के लिए उपभोक्ताओं को जोन कार्यालयों में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। कई बार अधिकारी नहीं मिलने से लोगों को कई चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

भारत की जीत का जश्न मनाने की बात पर विवाद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत-न्यूजीलैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का मुकाबला भारत ने जीता था, रविवार-सोमवार रात शहरवासी जश्न में डूबे थे। इसी बीच राज रॉयल कॉलोनी में दो समुदायों के लोगों के बीच पटाखे चलाने की बात पर विवाद हो गया। दोनों ओर से 8 10 लोग घायल हो गए जिसमें महिला बच्चे भी शामिल है। चमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि भारत की जीत का जश्न पूरे शहर में मनाया जा रहा था, राज रॉयल कॉलोनी में भी आतिशबाजी की जा रही थी। हाड़ा परिवार के सदस्य पटाखे चला रहे थे इस दौरान क्षेत्र में रहने वाले वाहिद खान ने घर में पटाखे की आवाज से बच्चों के डरने की बात कहते हुए पटाखे चलाने से मना किया। बस इसी बात पर दोनों परिवारों के बीच विवाद शुरू हो गया और देखते ही देखते लाठी डंडे निकल आए। मारपीट में दोनों ओर से 8 से 10 लोग घायल हो गए। हाड़ा परिवार की ओर से 11 वर्षीय दृष्टि, रविंद्र हाडा, पंकज, विशाल, विमला मालवीय और अन्य घायल हो गए। दूसरी ओर से शादाब खान, वाहिद खान और परिवार की एक महिला को चोट आई। दोनों परिवारों के बीच हुए विवाद में तूल पकड़ लिया। कुछ देर में ही हिंदू संगठन के लोग भी राज रॉयल कॉलोनी पहुंच गए। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस भी मौके पर आ गई थी और मामले को शांत कराया था। कुछ देर बाद ही हिंदू संगठन के लोग घायल हाडा परिवार की और से चिमनगंज थाने पहुंच गए और आरोप लगाए जाने लगे लगा। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक रितेश माहेश्वरी ने बताया कि पूर्व में भी कॉलोनी में रहने वाले मुस्लिम समुदाय द्वारा दुर्गा प्रतिमा की स्थापना को लेकर विवाद किया था। क्षेत्र में इनके द्वारा लोगों को डराया धमकाया जाता है। मामले में चिमनगंज थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद के चलते मामले में क्रॉस प्रकरण दर्ज किया गया है। रात में ही मामला शांत कर लिया गया था घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जांच और मेडिकल रिपोर्ट के बाद मामले में धारा का इज़ाफा कर विवेचना की जाएगी। दोनों पक्षों के विवाद का मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

कोठी रोड पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वीमिंग पूल तैयार

50 बाय 25 मीटर का आधुनिक तरणताल, अलग चेंजिंग रूम-शॉवर और दर्शक दीर्घा की सुविधा, जल्द होगा शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोठी रोड पर नगर निगम द्वारा बनाया गया अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वीमिंग पूल लगभग पूरी तरह तैयार हो गया है। अब परिसर में लगाए गए खूबसूरत लैम्प और प्रवेश द्वारों पर लाइटिंग का काम अंतिम चरण में है, जो जल्द पूरा हो जाएगा। इसके बाद गर्मी के इसी सीजन में इसका शुभारंभ किए जाने की संभावना है।

पुराने तरण ताल के स्थान पर नगर निगम ने यह नया स्वीमिंग पूल अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। इसकी लंबाई 50 मीटर और चौड़ाई 25 मीटर रखी गई है, जबकि गहराई 4.50 फीट से 6.50 फीट तक है। इसके पास ही एक वॉर्मअप पूल भी बनाया गया है, जिसकी लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 6 फीट और गहराई 3 से 4.50 फीट तक है।

शुरुआत में जगह की कमी के कारण पूल का आकार 21बाय 50 मीटर रखा गया था, लेकिन बाद में बालोद्यान की कुछ जमीन जोड़कर इसे बढ़ाकर 25 बाय 50 मीटर कर दिया गया, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का बन सका। दरअसल वर्ष 2025 की गर्मियों में इसे शुरू करने की योजना थी, लेकिन निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने से उद्घाटन टल गया। अब तैराकी के शौकीनों को इसके शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है।

5 साल पहले बंद हुआ था पुराना तरणताल- जहां नया तरणताल बनाया गया है, वहीं वर्ष 1969 में नगर निगम का पुराना स्वीमिंग पूल बना था। बढ़ते मेंटेनेंस खर्च, पानी साफ रखने में कठिनाई और तैराकों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम ने करीब पांच वर्ष पहले उसे बंद कर दिया था। अब उसी स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से लैस नया पूल बनाया गया है।

अलग चेंजिंग रूम और ओपन शॉवर- नए स्वीमिंग पूल में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। इसके अलावा तैराकों के लिए ओपन शॉवर एरिया भी तैयार किया गया है, जहां पूल में उतरने से पहले और बाहर आने के बाद शॉवर लेने की सुविधा रहेगी।

छत पर दर्शक दीर्घा- पूल की बिल्डिंग की छत पर दर्शकों के लिए दर्शक दीर्घा तैयार की गई है, जिस पर केनोपी लगाई गई है। यहां दर्शकों के बैठने के लिए नीले और ऑरेंज रंग की सीट्स लगाई गई हैं। केनोपी का काम फरवरी में ही पूरा कर लिया गया था।

परिसर में कोबल स्टोन की फ्लोरिंग- स्वीमिंग पूल परिसर की फ्लोरिंग के लिए अलग से टेंडर जारी किया गया था। यहां टाइल्स की जगह पत्थर से बने कोबल स्टोन लगाए गए हैं, जो मजबूत होने के साथ-साथ आकर्षक भी दिखाई देते हैं।

दीवारों पर प्रकृति की चित्रकारी- तैराकों को बेहतर और आकर्षक माहौल देने के लिए पूल की अंदरूनी दीवारों पर प्रकृति से प्रेरित चित्रकारी की गई है। दीवारों पर फूल-पत्तियों के चित्र बनाए गए हैं, जिससे पूरा परिसर सुंदर नजर आता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, महिला स्वास्थ्य कर्मियों और विभागीय कार्यालय की महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को सोमवार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सीएमएचओ कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनीता परमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष भद्रावले, एपीडिमीयोलॉजिस्ट डॉ. आदित्य माथुर, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी सुश्री परविंदर बग्गा, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक श्री दिलीप वसुनिया एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क चौड़ीकरण के विरोध में बाजार बंद

500 से अधिक व्यापारियों ने वाहन रैली निकाल कर दिया ज्ञापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण को लेकर विरोध तेज हो गया है। सोमवार को महाकाल चौराहे से पटनी बाजार, गोपाल मंदिर और महाकाल घाटी तक के बर्तन, सराफा और पूजन सामग्री बाजार के व्यापारियों ने विरोध स्वरूप अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। व्यापारियों ने चौड़ीकरण के खिलाफ वाहन रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

व्यापारियों का कहना था कि प्रस्तावित चौड़ीकरण से वर्षों पुराना सराफा और बर्तन बाजार पूरी तरह प्रभावित हो जाएगा। इसी कारण सुबह से ही क्षेत्र के अधिकांश प्रतिष्ठान बंद रहे और व्यापारी बड़ी संख्या में एकत्रित हुए।

नगर निगम द्वारा महाकाल चौराहे से पटनी बाजार, गोपाल मंदिर होते हुए ढाबा रोड तक सड़क को 18 मीटर चौड़ा करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए करीब साढ़े 13 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडर जारी किए जा रहे हैं। वर्तमान में यह मार्ग करीब 30 से 35 फीट चौड़ा है, जिसे लगभग 65 फीट तक चौड़ा करने की तैयारी की जा रही है।

इसके विरोध में सोमवार सुबह- लखेरवाड़ी व्यापारी एसोसिएशन, सराफा व्यापारी संघ और पूजन सामग्री से जुड़े व्यापारियों के नेतृत्व में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बाजार बंद रखा गया। दोपहर में करीब 500 से अधिक व्यापारी वाहन रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और चौड़ीकरण की कार्रवाई रोकने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। विरोध प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों का कहना था कि यदि इस मार्ग का चौड़ीकरण किया गया तो कई पुरानी दुकानें पूरी तरह टूट जाएंगी, जिससे वर्षों से स्थापित बाजार खत्म होने की स्थिति बन जाएगी।